RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 262 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 22-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री मोदी को अपशद कह रही कांग्रेस : भाजपा

6 छात्रों का आत्मघात: सपनों का बोझ है क्या सिस्टम की नाकामी?

7 एक जैसे किरदार निभाने में कोई मजा नहीं : जयदीप अहलावत

## फर्स्ट टेक

### पाकिस्तान ने जहाज-रोधी हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया

**इस्लामाबाद/भाषा।** पाकिस्तान की नौसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित जहाज–रोधी हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना के मुताबिक, ये प्रणाली लंबी दूरी से समुद्री खतरों को बेअसर कर सकती है। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने एक बयान में बताया कि हवा में दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल तैमूर 'सटीक हमले की क्षमता और अभियानगत तत्परता का एक सशक्त प्रदर्शन' है। बयान के मुताबिक, हवा में दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल ने असाधारण सटीकता के साथ अपने मिशन को अंजाम दिया, जिससे लंबी दूरी से दुश्मन के समुद्री खतरों का पता लगाने, उन्हें निशाना बनाने और निर्णायक रूप से बेअसर करने की पाकिस्तान नौसेना की युद्धक क्षमता प्रमाणित हुई।

### जर्मनी के गुरुद्वारे में झड़प में चार घायल

**लंदन/भाषा।** जर्मनी के मोर्स शहर में एक गुरुद्वारे में दो गुटों के बीच झड़प में चार लोग घायल हो गए, जिसके बाद विशेष बलों सहित सुरक्षा बल को बड़े पैमाने पर तैनात किया गया। जर्मनी के अधिकारियों और खबरों में यह जानकारी दी गई। वेसेल जिला पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह घटना रविवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:20 बजे सिख सामुदायिक केंद्र में प्रार्थना के समय तब हुई, जब वहां मौजूद दो समूहों के बीच कहासुनी हुई। पुलिस ने रविवार को जारी बयान में कहा, ''चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं।'' बयान में गया कि कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

### पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानन कंपनियों पर प्रतिबंध बढ़ाया

**नई दिल्ली/इस्लामाबाद/भाषा।** पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों पर लगाए गए प्रतिबंध को मंगलवार को 24 मई तक के लिए बढ़ा दिया। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत और पाकिस्तान ने एक–दूसरे के विमानों के लिए अपने–अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए थे। पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र 24 अप्रैल, 2025 से भारतीय विमानों के लिए बंद है, वहीं पिछले साल 30 अप्रैल से पाकिस्तानी विमानों को भारतीय हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति नहीं है। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने 'नोटिस टू एयरमेन' (नोटम) में कहा है कि ''सभी भारतीय–पंजीकृत, पट्टे पर लिए गए, वाणिज्यिक और सैन्य विमानों को 24 मई, 2026 को सुबह पांच बजे तक पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।''

# लोगों को धार्मिक और भाषाई आधार पर बांटने के प्रयास किए जा रहे हैं : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अगरतला/भाषा।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत ने मंगलवार को आरोप लगाया कि लोगों को धार्मिक और भाषाई आधार पर विभाजित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति इसकी 'विविधता में एकता' में निहित है।

अगरतला से लगभग 23 किलोमीटर दूर फकरीमुरा में मां चिन्मयी सौंदर्य मंदिर में अभिषेक समारोह के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए भगवत ने कहा कि कुछ 'बुरी ताकतें' इस बात से चिंतित हैं कि यदि भारत अपनी सदियों पुरानी सभ्यतागत शक्ति के बल पर प्रगति करेगा तो उनकी 'दुकानें' बंद हो जाएंगी। उन्होंने कहा, ''वे धर्मों और भाषाओं के आधार पर लोगों के बीच कलह पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे उदाहरण देने की आवश्यकता नहीं है।''

▪ कुछ 'बुरी ताकतें' इस बात से चिंतित हैं कि यदि भारत अपनी सदियों पुरानी सभ्यतागत शक्ति के बल पर प्रगति करेगा तो उनकी 'दुकानें' बंद हो जाएंगी।

त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्रसेन रेड्डी, तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और मुख्यमंत्री माणिक साहा भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। उन्होंने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि विविधता लंबे समय से भारत की पहचान रही है और कहा कि अनेक भाषाओं, धर्मों, परंपराओं और संस्कृतियों के बावजूद देश ने सदियों से प्रगति की है। उन्होंने कहा, ''जिन देशों का इतिहास 4,000 या 5,000 वर्ष से अधिक पुराना नहीं है, उनमें एक धर्म और एक भाषा हो सकती है, लेकिन भारत बिल्कुल अलग है, जिसका लंबा इतिहास, परंपरा और संस्कृति है।'' उन्होंने लोगों से एकजुट रहने और फूट डालने के प्रयासों को विफल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, चाहे कोई भी स्थिति उत्पन्न हो जाए, भय के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वर्तमान विश्व व्यवस्था में, शक्ति अक्सर सत्य को ढक लेती है। उन्होंने कहा, ''यदि आपके पास शक्ति है, तो आपकी सामर्थ्य सिद्ध हो जाएगा, और कोई इस बात पर ध्यान नहीं देगा कि आप सही मार्ग पर हैं या नहीं।

# 'तमिलनाडु से विश्वासघात करने वालों के लिए हमेशा 'खतरा' बना रहूंगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि जो लोग तमिलनाडु के साथ विश्वासघात करेंगे और इसके विकास में बाधा डालना चाहते हैं, उनके लिए वह हमेशा ''खतरा'' साबित होंगे।

स्टालिन ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार द्वारा परिसीमन के लिए की जा रही आक्रामक कार्रवाई, तमिलनाडु जैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को ''दंडित'' करने के लिए है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष स्टालिन ने विपक्ष के उस दावे को याद किया जिसमें उन्हें कलैगनार (दिवंगत मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि) से भी अधिक ''खतरनाक'' बताया था।

उन्होंने कहा कि करुणानिधि से उनकी तुलना कभी नहीं की जा सकती, जो उनके लिए पिता से बढ़कर एक प्रेरणादायक नेता थे। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान लोगों ने कहा था–'स्टालिन कलैगनार से भी अधिक खतरनाक हैं।' मेरी तुलना उनसे कभी नहीं की जा सकती। मैंने उन्हें पिता से ज्यादा नेता के रूप में अधिक बार संबोधित किया। जब वे ऐसा कहते हैं तो मेरे मन में एक ही बात आती है–जो लोग तमिलनाडु को धोखा देना चाहते हैं और इसके विकास में बाधा डालना चाहते हैं, उनके लिए मैं हमेशा एक खतरा बना रहूंगा। उन्होंने पूछा, ''अगर मैं इस मामले में कलैगनार से एक कदम आगे हूं, तो क्या यह मेरे लिए गर्व की बात नहीं है?''

▪ पिछले पांच वर्षों में, मुख्यमंत्री के रूप में लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया और मैंने कल्याणकारी सहायता वितरित करके और राज्य के हितों की रक्षा करके इस भरोसे को बखूबी निभाया।

स्टालिन ने कहा, ''पिछले पांच वर्षों में, मुख्यमंत्री के रूप में लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया और मैंने कल्याणकारी सहायता वितरित करके और राज्य के हितों की रक्षा करके इस भरोसे को बखूबी निभाया।''

# केरल के त्रिशूर में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से 13 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**त्रिशूर (केरल)/भाषा।** केरल के त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड में मंगलवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में कम से कम 13 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तीन महिलाओं समेत तेरह घायल व्यक्तियों का इलाज कराया जा रहा है।

त्रिशूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने बताया कि इनमें से पांच की हालत गंभीर है और वे 70 प्रतिशत से अधिक जल चुके हैं।

अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के समय घटनास्थल पर करीब 40 लोगों के मौजूद होने की आशंका है। हादसे में कई लोग झुलस गए और इनमें से कई की हालत गंभीर है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा एक 'शेड' में हुआ जहां मंदिर देवस्वओम की ओर से त्रिशूर पूरम पर्व के लिए पटाखें तैयार किए जा रहे थे। त्रिशूर पूरम पर्व 26 अप्रैल को है।

# विद्यार्थी नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनें : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मेरठ/भाषा।** उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को आईआईएमटी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डिग्री प्राप्त करना जीवन का अंत नहीं बल्कि यह एक नई शुरुआत है।

समारोह में वर्ष 2024 और 2025 बैच के लगभग 3940 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। एक बयान के मुताबिक, 203 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 29 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी गई। उपराष्ट्रपति ने 17 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया।

साथ ही, स्वामी कैलाशानंद गिरी, स्वामी चिदानंद सरस्वती और डॉ. हरी सिंह रावत को मानद डॉक्टरेट की उपाधि दी गई।

राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से शिक्षा को राष्ट्रसेवा का माध्यम बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, सभी विद्यार्थियों को नौकरी देने वाला बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। सफलता के लिए कठिन परिश्रम और समर्पण जरूरी है। समारोह में उत्तर प्रदेश के मंत्री धर्मपाल सिंह ने भी शिक्षा और परिश्रम पर बल दिया। विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. दीपा शर्मा ने संस्थान की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें नवाचार और गूगल से किए गए करार को प्रमुख उपलब्धियां बताया गया।

# तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। इसी के साथ मतदान की तिथि से 48 घंटे पहले का अनिवार्य 'साइलेंट पीरियड' शुरू हो गया है। एक अधिकारी ने बताया कि 'साइलेंट पीरियड' के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा सभाएं करने, जुलूस निकालने या चुनाव प्रचार से जुड़े विज्ञापन जारी करने पर रोक रहेगी।

विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी जोकि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक जारी रहेगी। मतगणना चार मई को होगी और इसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। तमिलनाडु के संवेदनशील स्थानों पर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं से बातचीत करके अपने चुनाव प्रचार का समापन किया। वह इसी क्षेत्र से चुनाव लड़

▪ कल होगा मतदान

रहे हैं। स्टालिन ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि जो लोग तमिलनाडु के साथ विश्वासघात करेंगे और उसके विकास में बाधा डालना चाहेंगे, उनके लिए वह खतरा साबित होंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि परिसीमन को लेकर केंद्र का आक्रामक रुख सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तमिलनाडु जैसे राज्यों को दंडित करने के लिए था। तूतीकोरिन में द्रमुक की उप–महासचिव और सांसद कनिमोझी ने विश्वास जताया कि पार्टी सत्ता में वापसी करेगी।

राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व कर रहे अन्नाद्रमुक के महासचिव के. पलानीस्वामी ने पश्चिमी तमिलनाडु में प्रचार के साथ इसका समापन किया। उन्होंने लोगों से भ्रष्ट द्रमुक सरकार को सत्ता से हटाने और राज्य में परिवारवाद को समाप्त करने का जोरदार आह्वान किया। द्रमुक 164 सीट (कुल 234 निर्वाचन क्षेत्रों में से) पर चुनाव लड़ रही है और उसके सहयोगी 70 निर्वाचन क्षेत्रों में मुकाबला कर रहे हैं।

22-04-2026 सूर्यास्त 6:33 बजे | 23-04-2026 सूर्योदय 6:02 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 79,273.33 (+753.03) | 24,576.60 (+211.75) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 15,990 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | 256,516 रु. प्रति किलो |

## मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### तटस्थ-साँच

जो ना तो हां ना करते ना,
हर मुद्दे पर रहते तटस्थ।
जिनके अपने मत नहीं सिद्ध,
वे हैं महंत सब सिद्धहस्त।
हो स्वयं भ्रमित फैलाते भ्रम,
रहते निजता में अस्तव्यस्त।
जो हवा देख करके चलते,
सचमुच हैं वे मौकापरस्त।।

# ट्रंप ने समझौता न होने पर ईरान पर बमबारी की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**वाशिंगटन/भाषा।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर तेहरान बुधवार को समाप्त हो रहे दो सप्ताह के युद्धविराम से पहले अमेरिका के साथ किसी समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो वह ईरान पर बमबारी शुरू कर देंगे।

सीएनबीसी के ''स्क्वॉक बॉक्स'' कार्यक्रम में यह पूछे जाने पर कि क्या वह ईरान के साथ युद्धविराम की अवधि बढ़ाएंगे ताकि शांति वार्ता के माध्यम से युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समझौता हो सके, ट्रंप ने कहा, ''मैं ऐसा नहीं करना चाहता।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें बातचीत करनी है। और, आप जानते हैं कि एक चीज कहना चाहूंगा...ईरान अपनी स्थिति को काफी मजबूत कर सकता है। अगर वे समझौता कर लेते हैं, तो

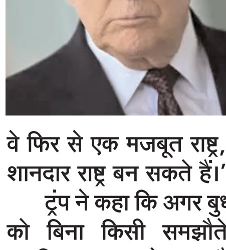

वे फिर से एक मजबूत राष्ट्र, एक शानदार राष्ट्र बन सकते हैं।''

ट्रंप ने कहा कि अगर बुधवार को बिना किसी समझौते के युद्धविराम समाप्त हो जाता है, तो वह ईरान पर फिर से हमला शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बमबारी करने की उम्मीद कर रहा हूं क्योंकि मुझे लगता है कि यही बेहतर रुख है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका हफ्तों से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए ईरान के साथ एक शानदार समझौता करेगा।

## अमेरिकी सेना ने ईरानी तेल की तस्करी के लिए पूर्व में प्रतिबंधित पोत पर कब्जा किया

**वाशिंगटन/एपी।** रक्षा विभाग ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी सेना के जवान एक तेल टैंकर पर धावा बोलकर उसपर सवार हो गए और उसे अपने कब्जे में ले लिया है। इस टैंकर पर पहले एशिया में ईरानी कच्चे तेल की तस्करी के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया था। पेंटागन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिकी सेना ने 'यात्रा के अधिकार के तहत समुद्री अवरोध' उत्पन्न किया और 'एम/टी टिफानी' नामक टैंकर पर उसके जवान 'बिना किसी प्रतिरोध' के सवार हो गए। जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि टिफानी श्रीलंका और इंडोनेशिया के बीच हिंद महासागर में था।

## चीन ने ईरानी मालवाहक जहाज से संबंध होने से किया इनकार

**बीजिंग/भाषा।** चीन ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका द्वारा जब्त किए गए ईरानी मालवाहक जहाज से किसी भी तरह का संबंध होने से मंगलवार को इनकार किया। जहाज पर, कथित तौर पर मिसाइल निर्माण के लिए रासायनिक सामग्री लदी हुई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मेरी जानकारी के अनुसार, यह एक विदेशी ध्वज वाला मालवाहक जहाज है। चीन बढ़ा–चढ़ा कर किए जाने वाले किसी भी दावे का विरोध करता है।''

## जब मानवता की हदें पार कर दी जाती हैं तो जवाब निर्णायक होता है : सेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी की पूर्व संध्या पर भारतीय सेना ने मंगलवार को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का अपना संकल्प दोहराया और कहा, ''जब इंसानियत की हदें पार की जाती हैं, तो जवाब निर्णायक होता है''। पिछले साल 22 अप्रैल को, आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों को मार डाला था, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

भारत ने इसके जवाब में सात मई को एक सैन्य अभियान शुरू किया और पाकिस्तान तथा उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ढांचों को तबाह कर दिया। सेना ने 'एक्स' पर कहा, ''जब मानवता की हदें पार की जाती हैं तो जवाब निर्णायक होता है। न्याय किया जाता है। भारत एकजुट है।''

इस पोस्ट में एक पोस्टर भी साझा किया गया जिसमें भारत के मानचित्र की छायांकित तस्वीर के साथ कैप्शन है– ''सम बाउंड्रीज शुड नेवर बी क्रॉस्ड'' (कुछ हदें कभी पार नहीं की जानी चाहिए)। इसमें अंग्रेजी शब्द 'क्रॉस्ड' का 'ओ' अक्षर सिंदूर की एक कटोरी की तरह चित्रित किया गया है और नीचे सुर्ख लाल रंग में लिखा है ''इंडिया डज नॉट फॉरगेट'' (भारत भूलता नहीं है)।

भारत ने पहलगाम हमले के बाद गत वर्ष सात–आठ मई की दरमियानी रात को निर्णायक सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। सेना ने देर रात 1.51 बजे 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, ''पहलगाम आतंकी हमले में इंसाफ किया गया है। जय हिंद।'' इसके साथ ही एक डिजिटल पोस्टर भी था जिस पर 'ऑपरेशन सिंदूर' लिखा था। सरकार ने इस अभियान को यही नाम दिया था। बाद में पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले शुरू किए, और भारत के बाद के सभी जवाबी हमले भी ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए।

दोनों के बीच सैन्य संघर्ष 10 मई की शाम को एक समझौता होने के बाद रोक दिया गया।

## असम के कई हिस्सों में तूफान से तबाही

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के कई हिस्सों में आए भारी तूफान के दौरान कामरूप जिले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गुवाहाटी से लगभग 50 किलोमीटर दूर कामरूप जिले के चायगांव से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार रात आए तूफान के दौरान एक स्थानीय युवक की मौत हो गई। बिहू सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान आई भारी बारिश के चलते युवक अन्य लोगों के साथ एक पेड़ के नीचे शरण लिए हुए था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पेड़ की एक शाखा टूटकर युवक पर गिर गई जिसके कारण उसकी मौत हो गई। भारी तूफान, तेज बारिश और हवाओं ने राज्य के गोलपारा तथा बोंगाईगांव जैसे कई हिस्सों को प्रभावित किया, जिससे संपत्ति एवं फसलों को भारी नुकसान हुआ। मूसलाधार बारिश के कारण गुवाहाटी के कई हिस्से रविवार शाम से जलमग्न हैं, हालांकि पिछले 24 घंटों में बारिश में कुछ कमी आई है। गुवाहाटी में, मंगलवार सुबह सौकुची क्षेत्र में बासिष्ठ नदी में एक शव उतराता मिला। शव पड़ोस के हाटीगांव क्षेत्र के एक युवक अख्तर अली का माना जा रहा है, जो रविवार शाम से लापता था।

## पहलगाम आतंकी हमला

# एक साल बाद भी परिवारों की पीड़ा बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा/बेंगलूरु। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर गोलीबारी की घटना के एक साल बाद मंजुनाथ राव के परिवार का कहना है कि जीवन में आगे बढ़ने की कोशिश के बावजूद, उस घटना का दर्द उनके मन में आज भी ताजा है। उनके चचेरे भाई रवि किरण ने यह बात कही। बाईस अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 पर्यटकों में दो कर्नाटक के नागरिक भी शामिल थे, और उनके परिवारों के लिए उस घटना की खौफनाक यादें आज भी ताजा हैं। शिवमोग्गा के रहने वाले 47 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी मंजुनाथ राव भी पीड़ितों में से एक थे। उनकी पत्नी पल्लवी और बेटे के सामने ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

परिवार के सदस्यों के अनुसार, राव अपनी पत्नी और बेटे के साथ कश्मीर की अपनी पहली यात्रा के तहत पहलगाम गए थे और उन्हें 24 अप्रैल को वापस लौटना था। किरण ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, ''वे कुछ भी नहीं भूल सकते। यह उनके मन में बसा हुआ है। लेकिन जिंदगी तो चलती रहती है उनके पास इसके अलावा कोई चारा नहीं है कि वे इस दर्द को सह लें। उनकी पत्नी इस बारे में बात करने को तैयार नहीं हैं... कहने के लिए क्या बचा है? जिंदगी तो चलती ही रहती है।''

दूसरे पीड़ित बेंगलूरु के रहने वाले 41 वर्षीय आईटी पेशेवर भरत भूषण हैं, जो अपनी पत्नी और तीन वर्षीय बेटे के साथ पहलगाम गए थे। भूषण की आतंकवादियों ने उनकी पत्नी सुजाता और बेटे के सामने गोली मारकर हत्या कर दी। सुजाता इस हमले में बाल-बाल बच गईं। उनके परिवार के अनुसार, सुजाता को जब पता चला कि उनके पति की मृत्यु हो गई है, तो उन्होंने उनके पहचान पत्र उठाए और अपने बेटे के साथ घटनास्थल से भाग गईं। 'पीटीआई-भाषा' ने बेंगलूरु के मट्टीकेरे स्थित भूषण के घर जाकर उनसे बात की, तो उनके पिता वी चेन्नावीरप्पा ने घटना के बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। पहलगाम आतंकी हमला ही 'ऑपरेशन सिंदूर' का आधार बना।

### प्रदर्शन

कर्नाटक प्रदेश युवा कांग्रेस कमेटी के सदस्य मंगलवार को बेंगलूरु में भारत-यूएस समझौते को रद्द करने की मांग को लेकर फ्रीडम पार्क में धरना देते हुए।

# जोखिम भरे रास्ते, अटूट हौसले: गुज्जर-बकरवाल समुदाय के लोगों का मौसमी पलायन

भद्रवाह/भाषा

जम्मू-कश्मीर में बेमौसम बर्फबारी ने भले ही पहाड़ों को सफेद चादर से ढक दिया हो, लेकिन जीवन की रफ्तार थमी नहीं है। चिनाब घाटी में गुज्जर और बकरवाल समुदाय के सैकड़ों लोग सदियों पुरानी विरासत को कंधों पर उठाए कठिन हालात के बीच ऊंचे चारागाहों की ओर निकल पड़े है, एक ऐसा सफर जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चला आ रहा है और जिसे न ठंड रोक पाई, न वक्त। पिछले हफ्ते ये लोग अपने मवेशियों के साथ निकल पड़े और इसी के साथ शुरू हो गया वह सफर जो सदियों से हर मौसम में दोहराया जाता है। ऊंचाई वाले कई इलाकों में असामान्य बर्फबारी के बावजूद यह यात्रा शुरू हुई, जिसने रास्तों को अधिक जोखिम भरा बना दिया है। सैकड़ों परिवार कठुआ, सांबा व जम्मू जिलों के मैदानी इलाकों को पार करते हुए चिनाब घाटी के ऊंचाई वाले घास मैदानों की ओर बढ़ रहे हैं और उन्हें अपने ग्रीष्मकालीन चारागाहों तक पहुंचने में कम से कम एक महीने का समय लेगा।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दस दिन में 250 खानाबदोश परिवार 10,500 फुट की ऊंचाई पर बर्फ से ढके छत्रगलां जांच चौकी को पार कर चुके हैं। यह वही दर्रा है जो डोडा जिले के भद्रवाह को कठुआ जिले के बसोहली से जोड़ता है। भेड़, बकरियों और घोड़ों के झुंड के साथ ये परिवार खड़ी चढ़ाइयों, उफनते नालों और फिसलन भरे रास्तों से गुजर रहे हैं- जहां हर कदम एक चुनौती, हर मोड़ एक इम्तिहान है। अधिकारियों का कहना है कि यह पलायन इन समुदायों की रोजी-रोटी के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि गर्मियों में इनकी पूरी जिंदगी ऊंचाई वाले चारागाहों पर टिकी होती है। हर साल जब जम्मू क्षेत्र में सर्दी की विदाई होती है और बसंत दस्तक देता है, तो गुज्जर और बकरवाल अपनी सदियों पुरानी राह पर निकल पड़ते हैं तथा डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों के चारागाह एक बार फिर इनके कदमों से जीवंत हो उठते हैं।

बसोहली के 85 वर्षीय अब्दुल मजीद इस बार अपने काफिले को किश्तवाड़ के पद्दर तक ले जा रहे हैं। 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में उन्होंने कहा, ''इस सफर में जान का खतरा रहता है, लेकिन हम सदियों से यही करते आए हैं। हमारे बुजुर्गों ने यही राह दिखाई, और हमारे पास इस मुश्किल जिंदगी को जारी रखने के सिवा कोई चारा नहीं।'' मजीद बताते हैं कि हर साल इस कठिन यात्रा में बकरियां और घोड़े तो मरते ही हैं, कभी-कभी बच्चे और बुजुर्ग भी इस सफर में अपनी जान गंवा देते हैं लेकिन सरकारी मदद नहीं के बराबर है।

निशात बेगम (63) ने कहा, ''सरथल से गुलदंडा के बीच 15 किलोमीटर के रास्ते में बर्फीले तूफान में हमारी कई बकरियां मर गईं। पिछले हफ्ते लगातार तीन दिन खाने के लाले पड़े रहे। अब बस एक ही दुआ है मचैल तक सही-सलामत पहुंच जाएं।'' सद्दाम चौहान (14) के लिए यह सफर एक कड़वा सबक बनकर आया। छत्रगलां में उसकी आंखों के सामने बर्फीले तूफान में कई बकरियां दम तोड़ गईं। चौहान ने कहा कि उसके पास भी कोई रास्ता नहीं है तथा पिता और दादा का पेशा ही उसकी तकदीर है। इन खानाबदोशों की मुश्किलें कुछ हद तक कम करने की कोशिश भद्रवाह के वन विभाग ने की है। संभागीय वन अधिकारी देविंदर कुमार ने रेंज ऑफिसर समीर रिशु की अगुवाई में एक टीम तैनात की है ताकि जंगल से गुजरते वक्त इन परिवारों के साथ कोई दुर्व्यवहार न हो। रिशु ने कहा, ''पिछले पखवाड़े कई सौ परिवार भद्रवाह वन क्षेत्र से गुजरे। हमारी टीम 24 घंटे तैनात है क्योंकि ये लोग रात को भी सफर करते हैं, रुकते नहीं हैं।'' उन्होंने स्थानीय लोगों से भी अपील की कि इन परिवारों को अतिक्रमणकारी न समझें, बल्कि मेहमान की तरह अपनाएं क्योंकि ये लोग जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र का एक अहम हिस्सा हैं।

## पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच दूध की आपूर्ति निर्बाध जारी, दाम स्थिर: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद देशभर में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं और आपूर्ति में कोई बाधा नहीं आई है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग में निदेशक पूजा रुस्तगी ने पश्चिम एशिया के हाल के घटनाक्रम पर अंतर-मंत्रालयी बैठक में कहा कि दुग्ध क्षेत्र को ईंधन, गैस तथा प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, डेयरी उद्योग को एलपीजी के स्थान पर पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

रुस्तगी ने संवाददाताओं से कहा, मौजूदा पश्चिम एशिया संकट के बीच भी देशभर में दूध की खरीद, प्रसंस्करण एवं आपूर्ति बिना किसी बाधा के बनी हुई है। दूध और दुग्ध उत्पादों के दाम स्थिर हैं। बाजार में किसी प्रकार की आपूर्ति बाधित नहीं हुई है और संकट की अवधि के दौरान डेयरी किसानों को भुगतान भी जारी रहा है। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। वर्ष 2024-25 के दौरान देश का कुल दूध उत्पादन 24.787 करोड़ टन रहा। निदेशक ने बताया कि सोमवार को देशभर के राज्य दुग्ध महासंघों और दुग्ध संघों के साथ बैठक और दूध की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही डेयरी क्षेत्र पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव पर विचार किया गया। उन्होंने कहा, डेयरी क्षेत्र को ईंधन, गैस तथा प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या नहीं है। निदेशक ने बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और डेयरी मूल्य श्रृंखला में सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

# गुजरात: धांधुका कस्बे में हत्या, आगजनी के दो दिन बाद विध्वंस अभियान शुरू

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद जिले के धांधुका कस्बे में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों के कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ मंगलवार को विध्वंस अभियान शुरू किया गया। यह कदम धांधुका में 'रोड रेज' की घटना को लेकर एक व्यक्ति की हत्या और आगजनी के दो दिन बाद उठाया गया।

पिछले रविवार को धांधुका में दो मोटरसाइकिल के आपस में टकराने के बाद धर्मेश गमारा (30) की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। गमारा की हत्या के बाद कस्बे में तनाव भड़क गया और भीड़ ने सात-आठ दुकानों में आग लगा दी।

हत्या में कथित संलिप्तता के लिए समीर और रिजवान नाम के दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि 15-20 लोगों को हिरासत में लिया गया।उपमंडल मजिस्ट्रेट विद्यासागर ने बताया कि स्थानीय प्रशासन ने मंगलवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच अवैध निर्माणों को बुलडोजर से ढहाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी पहले से ही हत्या के दोनों आरोपियों की संपत्तियों के सिलसिले में जांच कर रहे थे और उनके मकानों के आसपास किए गए अवैध कब्जे को हटाया जा रहा था।

विद्यासागर ने कहा, 15 ढांचों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। यह प्रक्रिया छह महीने पहले शुरू की गई थी और अब अवैध निर्माणों को ढहाने का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि विध्वंस से पहले सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई थीं।यह अभियान धांधुका-बगोदरा राजमार्ग और खटकीवाड़ समेत अन्य क्षेत्रों में चलाया जा रहा है।पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) आस्था राणा ने बताया कि लगभग 400 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं।विद्यासागर के मुताबिक, यह कार्रवाई मुख्य रूप से गोहत्या सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के अवैध निर्माणों के खिलाफ की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में नगर निगम और राजस्व विभाग के अधिकारी भी शामिल हैं। विद्यासागर के अनुसार, कुछ संपत्तियों की पहचान पहले ही कर ली गई थी और इस घटना के बाद आरोपियों के मकानों पर कार्रवाई शुरू की गई।

## देश को 100 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखना चाहिए: नितिन गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि देश को निकट भविष्य में 100 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के बीच तेल आपूर्ति की अनिश्चितता ने देश के लिए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से लागू होने वाले कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता-तीन मानकों का इलेक्ट्रिक और 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

'फ्लेक्स फ्यूल' वाहन एक ऐसा वाहन है जिसमें पेट्रोल/डीजल इंजन लगा होता है और इसे एक से अधिक प्रकार के ईंधन पर चलने के लिए डिजाइन किया गया है। आमतौर पर पेट्रोल को एथनॉल या मेथनॉल के साथ मिलाकर 'फ्लेक्स फ्यूल' के रूप में इसका उपयोग किया जाता है।

गडकरी ने इंडियन फेडरेशनल ऑफ ग्रीन एनर्जी के हरित परिवहन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश इस समय पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है, इसलिए ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में नरेन्द्र मोदी ने 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल की शुरुआत की थी और वर्तमान में वाहन मामूली बदलाव के साथ इस पर चल सकते हैं।

# टीसीएस मामला : पुलिस बोली-आरोपी निदा खान की 'धर्मांतरण' में भूमिका, तलाश जारी

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के नासिक कार्यालय में कई महिला कर्मचारियों के कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण से जुड़े मामले में आरोपी निदा खान की भूमिका धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने से संबंधित है तथा उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। अधिकारी की यह टिप्पणी निदा के गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण हासिल करने में नाकाम रहने के एक दिन बाद आई है।टीसीएस में यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण से जुड़े कथित मामले के सिलसिले में अब तक नौ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से एक में निदा और चार अन्य लोगों को आरोपियों के रूप में नामजद किया गया है। इस मामले में अब तक कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पॉश) समिति में स्थानीय सदस्यों को शामिल किया जाना चाहिए और वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बातचीत के बजाय नियमित रूप से व्यक्तिगत रूप से बैठकें करनी चाहिए। अधिकारी ने कहा, मामले में निदा की भूमिका कथित धर्मांतरण से संबंधित है। निदा मामले के सामने आने के बाद से फरार है। सत्र अदालत ने उसकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 27 अप्रैल की तारीख तय की है।

टीसीएस के मुताबिक, निदा नासिक कार्यालय में एसोसिएट के रूप में कार्यरत थी। उसने अपनी दो महीने की गर्भावस्था का हवाला देते हुए गिरफ्तारी से तत्काल सुरक्षा का अनुरोध किया है। हालांकि, अधिकारी ने कहा कि निदा सत्र अदालत से गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा हासिल करने में नाकाम रही और उसे पकड़ने के लिए तलाश अभियान जारी है।

अधिकारी ने बताया कि मामले की ज्यादातर पीड़िताएं मध्यमवर्गीय परिवारों से आती हैं और उनकी उम्र 21 से 30 साल के बीच है। उन्होंने बताया कि ये युवतियां एसोसिएट स्तर पर कार्यरत थीं और लगभग 20,000 रुपए प्रति माह वेतन पाती थीं। यह पूछे जाने पर कि क्या पीड़िताओं ने दफ्तर की पॉश समिति से संपर्क किया था, अधिकारी ने कहा कि कुछ तकनीकी समस्या थी और समिति के ज्यादातर सदस्य बाहरी थे।

उन्होंने कहा कि मामले को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए पॉश समिति को सक्रिय होना चाहिए, उसमें स्थानीय सदस्यों की नियुक्ति की जानी चाहिए और सदस्यों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा के बजाय कम से कम हर तीन हफ्ते में एक बार आमने-सामने की बैठक करनी चाहिए।अधिकारी ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि कोई नई पीड़िता सामने नहीं आई है, लेकिन अगर और शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं, तो पुलिस कार्रवाई करेगी।निदा सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, मुख्य आरोपी दानिश शेख ने टीसीएस में काम करते समय पीड़िता को अपने दोस्तों-तौसीफ और निदा से मिलवाया था।

# पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में दो लोगों की मौत

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में मंगलवार को पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना रविवार को तमिलनाडु में एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट के ठीक बाद हुई है, जिसमें 23 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए।

निगम आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि वाडा तालुका के कोंसाई गांव में एक पुराने फार्महाउस में टिन के शेड में पटाखा निर्माण इकाई में दोपहर करीब 12 बजे विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि उस समय लगभग 35 श्रमिक पटाखे बनाने में लगे हुए थे। इनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। वाडा थाने के एक अधिकारी ने बताया, यह घटना उस समय हुई जब रसायनों को मिलाने की प्रक्रिया चल रही थी। इस घटना में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई और एक महिला 90 प्रतिशत तक झुलस गई।

अधिकारी ने बताया कि बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि चार अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें वाडा ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। उनमें से कुछ को बाद में बेहतर इलाज के लिए भिवंडी उप-जिला अस्पताल और एक अन्य चिकित्सा केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया।

# चंडीगढ़ में सरकारी स्कूल के शिक्षक पर 20 से अधिक महिला कर्मियों ने उत्पीड़न का आरोप लगाया

चंडीगढ़/भाषा। चंडीगढ़ के एक सरकारी स्कूल की 20 से अधिक महिला कर्मियों ने एक पुरुष शिक्षक के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई और उस पर कामकाज का प्रतिकूल वातावरण बनाने का आरोप लगाया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।महिला कर्मियों ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत शिकायत दर्ज कराई है।

यह शिकायत उच्च माध्यमिक विद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति में दर्ज कराई गई है।

शिकायत में, महिलाओं ने अपने पुरुष सहकर्मी पर प्रतिकूल, असुरक्षित और अपमानजनक वातावरण बनाने का आरोप लगाया।

शिकायत में कहा गया है कि शिक्षक की प्रवृत्ति आक्रामक व्यवहार, कर्मचारियों के साथ बार-बार कहासुनी, चिल्लाना, धमकी भरा व्यवहार और कार्यस्थल पर बार-बार डराने-धमकाने की रही है।महिलाओं ने फरवरी में हुई एक घटना का जिक्र किया, जिसमें शिक्षक कथित तौर पर आक्रामक ढंग से चिल्लाया, डराने-धमकाने वाले अंदाज में उनके बेहद करीब आ गया और धमकी भरी टिप्पणी की थी। शिकायत में कहा गया है, हम मांग करते हैं कि इस शिकायत को कानून के अनुसार तत्काल दर्ज किया जाए और त्वरित जांच के लिए आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष रखा जाए। शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल अंतरिम सुरक्षात्मक उपाय लागू किए जाएं।

शिकायतकर्ताओं ने कहा कि यदि शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वे पुलिस का रुख करेंगी। स्कूल शिक्षा निदेशक नीतीश सिंगला ने कहा कि समिति की रिपोर्ट में किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। सिंगला ने बताया, आंतरिक शिकायत समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, लेकिन उसमें किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। जिला स्तर पर एक और समिति है। मैंने यह मामला उस समिति को भेजा है, और वे जांच कर रहे हैं तथा रिपोर्ट सौंपेंगे। हम दोनों पक्षों की बात सुन रहे हैं।

# पहलगाम हमले के पीड़ितों के सम्मान में बनाया गया स्मारक; पहली बरसी से पहले कड़ी सुरक्षा

पहलगाम (जम्मू कश्मीर)/भाषा। पहलगाम में पिछले साल हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक स्मारक बनाया गया। वहीं, अधिकारियों ने घटना की पहली बरसी से पहले पूरे कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी है।

लिद्दर नदी के किनारे काले संगमरमर से निर्मित एक स्मारक बनाया गया है, जिस पर 26 मृतकों के नाम अंकित हैं, जो बैसरन घाटी में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले की याद दिलाता है।एक साल बाद, यह घाटी बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित कर रही है।

कुछ आगंतुकों ने सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय लोगों के आतिथ्य सत्कार की बहुत प्रशंसा की। नवजोत सरकार नाम के एक पर्यटक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जो होना था वह हो चुका है। लेकिन अगर हम अब इस जगह की यात्रा न करने का फैसला करते हैं, तो यह गलत होगा। भारत में लगभग हर घर के लोग कश्मीर जाने का सपना देखते हैं... मैं असम से हूं - हम भी कश्मीर की यात्रा करना चाहते थे। नवजोत, देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में आए पर्यटकों के साथ, वर्तमान में पहलगाम के एक रिसॉर्ट में ठहरे हुए हैं, जो इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर पर्यटकों की निरंतर वापसी को दर्शाता है। पिछले साल हुए हमले के बावजूद, पर्यटकों का आना जारी है, जिनमें से कई मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र के आतिथ्य सत्कार पर भरोसा जता रहे हैं। पंजाब से आये पर्यटक अंकुर माहेश्वरी ने कहा, हमें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हुई - हमारे पूरे प्रवास के दौरान कभी कोई परेशानी या असुविधा नहीं हुई।

### प्रचार

बालुरघाट विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार अर्पिता घोष पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से पहले प्रचार के आखिरी दिन मंगलवार को दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट में चुनाव प्रचार करती हुईं।

## कर्नाटक उपचुनाव विवाद

# कुछ मुस्लिम नेताओं ने कांग्रेस के खिलाफ 'दुर्भावनापूर्ण अभियान' का आरोप लगाया

**बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में केपीसीसी के उपाध्यक्ष उबेदुल्ला शरीफ, वाई सईद अहमद, महबूब सौदागर और ए आर मुजम्मिल हुसैन सहित कई अन्य नेता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि तथ्य साफ तौर पर दिखाते हैं कि यह स्थिति मुस्लिम नेतृत्व के एक वर्ग की विफलता का नतीजा है जो अल्पसंख्यक समुदाय के उम्मीदवार के लिए प्रभावी ढंग से टिकट सुनिश्चित नहीं कर सका।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के कुछ पदाधिकारियों एवं मुस्लिम नेताओं ने आरोप लगाया है कि पार्टी पर समुदाय के नेतृत्व के खिलाफ काम करने का आरोप लगाकर उसके खिलाफ ''दुर्भावनापूर्ण अभियान'' चलाया जा रहा है। इन नेताओं ने इस घटनाक्रम को बेहद ''दुर्भाग्यपूर्ण और भ्रामक'' बताया। नेताओं ने नौ अप्रैल को दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार समर्थ मल्लिकार्जुन के खिलाफ पार्टी के भीतर ''साजिश'' के आरोपों के बाद, समुदाय के नेताओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई का भी बचाव किया।

उन्होंने एक संयुक्त बयान जारी कर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) से दबाव की ऐसी रणनीति या ''राजनीतिक ब्लैकमेल'' के आगे नहीं झुकने का आग्रह किया और पार्टी विरोधी ''गतिविधियों'' के दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सत्तारूढ़ कांग्रेस ने विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के. अब्दुल जब्बार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने एक अन्य एमएलसी नसीर अहमद को मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव पद से हटा दिया है। यह कार्रवाई मुस्लिम नेताओं के एक समूह के आरोपों के बाद की गई। इस समूह में विधान परिषद के मुख्य सचेतक सलीम अहमद और विधायक रिजवान अरशद एवं यासिर अहमद शामिल हैं। इन नेताओं ने आरोप लगाया था कि पार्टी के कुछ सदस्यों ने दावणगेरे दक्षिण में आधिकारिक उम्मीदवार को हराने की साजिश रची।

इस कार्रवाई के बाद यह अटकलें तेज हैं कि आवास मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान को भी अगले मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। खान, जब्बार और नसीर अहमद ने दावणगेरे दक्षिण से किसी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट देने की कथित तौर पर मांग की थी, लेकिन पार्टी ने विधायक शामनूर शिवशंकरप्पा के पोते समर्थ मल्लिकार्जुन को उम्मीदवार चुना। केपीसीसी के कुछ पदाधिकारियों एवं समुदाय के नेताओं ने सोमवार को जारी संयुक्त बयान में कहा, दावणगेरे दक्षिण उपचुनाव को लेकर हालिया विवाद और यह दुर्भावनापूर्ण अभियान कि कांग्रेस पार्टी मुस्लिम नेतृत्व के खिलाफ काम कर रही है, बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और भ्रामक है।

बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में केपीसीसी के उपाध्यक्ष उबेदुल्ला शरीफ, वाई सईद अहमद, महबूब सौदागर और ए आर मुजम्मिल हुसैन सहित कई अन्य नेता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि तथ्य साफ तौर पर दिखाते हैं कि यह स्थिति मुस्लिम नेतृत्व के एक वर्ग की विफलता का नतीजा है जो अल्पसंख्यक समुदाय के उम्मीदवार के लिए प्रभावी ढंग से टिकट सुनिश्चित नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दावणगेरे दक्षिण में कई मुस्लिम दावेदारों में से किसी एक के नाम पर विचार करने को तैयार थी लेकिन संबंधित नेतृत्व ने केवल अब्दुल जब्बार का नाम विचार के लिए प्रस्तावित किया, जबकि निर्वाचन क्षेत्र के कई अन्य सक्षम मुस्लिम दावेदारों की अनदेखी की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दावणगेरे दक्षिण में पार्टी कार्यकर्ता व्यापक रूप से यह बात जानते हैं कि कुछ लोग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे।

उन्होंने कहा, ''इन गुटों ने मुस्लिम मतदाताओं के वोट बांटने, जानबूझकर भ्रम फैलाने और कांग्रेस समर्थकों को गुमराह करने का काम किया, जिससे अन्य छोटे दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों को मदद मिली और अंततः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनाव में फायदा हुआ।'' नेताओं ने कहा, इस संदर्भ में, हम पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए अब्दुल जब्बार को निलंबित करने के एआईसीसी के फैसले का पूरा समर्थन करते हैं। उन्होंने नसीर अहमद के बारे में कहा कि यह स्पष्ट रूप से कहा जाना चाहिए कि उन्हें हटाने का फैसला पूरी तरह प्रशासनिक था और यह फैसला सिद्दरामय्या ने तब लिया जब उन्होंने उनके निर्देशों का पालन करने से इनकार कर दिया।

नेताओं ने कहा कि राजनीतिक सचिव का पद पार्टी द्वारा नियुक्त पद नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह मुख्यमंत्री के विवेक पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, इसलिए इस मामले में पार्टी के स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। नसीर अहमद अब भी कांग्रेस के सक्रिय सदस्य हैं और कांग्रेस पार्टी से विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) हैं।

उन्होंने कहा, पार्टी के भीतर एक छोटे गुट द्वारा चुनिंदा धार्मिक हस्तियों को शामिल कर अशांति फैलाने की मौजूदा कोशिशें बेहद चिंताजनक हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ये प्रयास पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को बचाने और नेतृत्व पर अनुशासनहीनता को नजरअंदाज करने का दबाव बनाने के लिए किए जा रहे हैं। उन्होंने एआईसीसी से आग्रह किया कि वह दबाव की ऐसी ''रणनीति या राजनीतिक ब्लैकमेल'' के आगे नहीं झुके। कर्नाटक में उलेमा के एक प्रतिनिधि संगठन ने इससे पहले दावणगेरे विधानसभा उपचुनाव से जुड़े हालिया राजनीतिक घटनाक्रम पर असंतोष जताया था और अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधित्व को लेकर चिंता व्यक्त की थी।

# ईडी छापे : सिद्दरामय्या का केंद्र पर कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चामराजनगर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों पर कांग्रेस नेताओं को लगातार निशाना बनाने का मंगलवार को आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस सदस्यों की संपत्तियों पर छापे मारे जाने का संदर्भ देते हुए सवाल उठाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के खिलाफ ऐसी कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? सिद्दरामय्या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। यह कार्रवाई क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में की गई, जिसमें कर्नाटक के कांग्रेस विधायक एन. ए. हारिस के बेटों एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री के. रहमान खान के पोते समेत कई लोगों के ठिकानों पर छापे मारे गए।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''केंद्र सरकार हमेशा कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाती है। क्या वे भाजपा नेताओं के घरों पर छापा मारेंगे?'' इस ऑपरेशन के तहत धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत शहर में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर तलाशी ली गई। अधिकारियों के अनुसार, जिन परिसरों की तलाशी ली गई, उनमें विधायक के बेटों– मोहम्मद हारिस नलपद और उमर फारूक नलपद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. रहमान खान के पोते अकीब खान तथा कथित क्रिप्टो हैकर श्रीकृष्ण रमेश उर्फ 'श्रीकी' के ठिकाने शामिल हैं। धनशोधन का यह मामला कर्नाटक पुलिस की प्राथमिकी और आरोप–पत्र से जुड़ा है। यह प्राथमिकी एवं आरोप–पत्र 2017 में दायर किये गये थे। इस मामले में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट को हैक करना, बिटकॉइन की चोरी करना और इन्हें 'वर्चुअल डिजिटल एसेट्स' (वीडीए) को क्रिप्टो प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेचना शामिल था। यह सब कथित रूप से श्रीकी और उसके सहयोगियों द्वारा किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि मोहम्मद हारिस नलपद, उमर फारूक नलपद और अकीब खान पर आरोप है कि वे इस क्रिप्टो से जुड़ी गतिविधियों से अर्जित अपराध की 'आय' के लाभार्थी थे।

## कर्नाटक में जल संकट के बीच उम्मीद की किरण

# भीषण गर्मी में भी लबालब भरी हैं छोटी सिंचाई टंकियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य के लघु सिंचाई, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एनएस बोसराजु ने घोषणा की है कि प्रदेश की छोटी सिंचाई टंकियों (माइनर इरीगेशन टैंक ) में पानी का भंडारण इस बार असाधारण रूप से बेहतर है। विभाग की प्रभावी जल प्रबंधन रणनीतियों के कारण लगभग 4.45 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई के लिए पानी मिलना सुनिश्चित हो गया है।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाली 3,788 टंकियों में पानी का स्तर संतोषजनक बना हुआ है। आंकड़ों के हिसाब से 165 टंकियां शत प्रतिशतभरी हुई हैं। 1,355 टंकियां में 51 प्रतिशत से अधिक जल स्तर है। वहीं 1,143 टंकियां में 50 प्रतिात तक जल भंडारण है वहीं 959 टंकियां लगभग 30 प्रतिशत क्षमता से भरी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दावणगेरे जिला जल भंडारण के मामले में राज्य में सबसे आगे है, जहाँ 27 टैंक पूरी तरह भरे हुए हैं। इसके बाद चिक्कमगलुरु (46 टैंकों में बेहतरीन भंडारण) का स्थान है। हासन, तुमकुरु और कोलार जिलों में भी जल संचयन की स्थिति काफी मजबूत है। मंत्री एन.एस. बोसराजु ने इस उपलब्धि का श्रेय सरकार की लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं को दिया है। उन्होंने बताया कि 145 लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से 1,184 टैंकों को सक्रिय रूप से भरा जा रहा है। मैदानी जिलों (बायलुसीमे) में ट्रीट किया हुआ और सतही पानी पहुँचाने की रणनीति सफल रही है। टैंकों के जीर्णोद्धार और समय पर किए गए जल संचयन ने गर्मियों में इन्हें सूखने से बचा लिया है। बोसराजु ने कहा कि यह देखना उत्साहजनक है कि मार्च के बाद भी हमारे टैंकों में पानी कम नहीं हुआ है। यह हमारे 'जल–सुरक्षित कर्नाटक' के संकल्प की जीत है। इससे 4.45 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले लाखों किसानों को सीधा लाभ होगा।

आमतौर पर अप्रैल के महीने में छोटी टंकियां सूखने लगती हैं, जिससे रबी और गर्मी की फसलों को भारी नुकसान होता है। लेकिन इस बार पर्याप्त जल स्तर होने से न केवल फसलों को सुरक्षा मिलेगी, बल्कि भूजल स्तर (भी बना रहेगा, जो पशुधन और पेयजल के लिए भी महत्वपूर्ण है।

## बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण उपचुनाव जीतेगी कांग्रेस : सिद्दरामय्या का दावा

चामराजनगर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को दावा किया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट पर जीत हासिल करेगी, जहां नौ अप्रैल को उपचुनाव के लिए मतदान हुए थे। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक एच वाई मेती (बागलकोट) और शमनूर शिवशंकरप्पा (दावणगेरे दक्षिण) के निधन के कारण उपचुनाव आवश्यक हो गए थे। नतीजे चार मई को आएंगे। एक सवाल के जवाब में सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, ''हम दोनों सीट जीतेंगे।''

भाजपा ने पूर्व विधायक और 2023 में पराजित उम्मीदवार वीरभद्रय्या चरंतिमठ को बागलकोट से और एक नया चेहरा श्रीनिवास टी दासकरियप्पा को दावणगेरे दक्षिण से मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों में दिवंगत विधायकों के परिवार के सदस्यों को उम्मीदवार बनाया है। बागलकोट से उम्मीदवार उमेश मेती, एच वाई मेती के बेटे हैं, जबकि दावणगेरे दक्षिण से समर्थ मल्लिकार्जुन, शमनूर शिवशंकरप्पा के पोते हैं।

दावणगेरे दक्षिण से कांग्रेस द्वारा मुस्लिम उम्मीदवार न उतारने और इसके परिणामस्वरूप कुछ अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं में व्याप्त असंतोष पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, जब आलाकमान ने उम्मीदवार का चयन किया, तब अल्पसंख्यक समुदाय के नेता उपस्थित थे। यह निर्णय उनकी उपस्थिति में लिया गया था और उन्होंने इसे स्वीकार किया था।

## जोर लगा के...

पुलिस वाले मंगलवार को बेंगलूरु में फ्रीडम पार्क के पास कर्नाटक स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की एक खराब बस को धक्का देते हुए।

## मैसूरु और मुजफ्फरपुर के बीच चलेगी 'समर स्पेशल' ट्रेन आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। गर्मियों की छुट्टियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने एक बड़ा फैसला लिया है। रेलवे द्वारा मैसूरु और मुजफ्फरपुर के बीच विशेष अनारक्षित एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की गई है। यह ट्रेन पूरी तरह से जनरल कोच वाली होगी, जिससे आम यात्रियों को कम समय में टिकट मिल सकेगा।

ट्रेन संख्या 06243 (मैसूरु – मुजफ्फरपुर) यह स्पेशल ट्रेन बुधवार, 22 अप्रैल को सुबह 10:05 बजे मैसूरु से रवाना होगी और शुक्रवार शाम 07:45 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 06244 (मुजफ्फरपुर – मैसूरु) शनिवार, 25 अप्रैल को रात 10:45 बजे मुजफ्फरपुर से चलेगी और मंगलवार सुबह 07:45 बजे मैसूरु वापस पहुंचेगी।

यह ट्रेन कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार के कई महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ेगी। इसके प्रमुख स्टॉपेज में मांड्या, केंगेरी, केएसआर बेंगलुरु, कृष्णराजपुरम, जोलारपेट्टई, काटपाडी, रेनिगुंटा, विजयवाड़ा, भुवनेश्वर, कटक, खड़गपुर, मालदा टाउन, कटिहार, बरौनी और समस्तीपुर होंगे। भारी भीड़ को देखते हुए दक्षिण पश्चिम रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे स्टेशन पर समय से पहुँचें और कतारबद्ध होकर ही कोच में प्रवेश करें। यह ट्रेन उत्तर भारत और दक्षिण भारत के बीच सफर करने वाले मजदूरों और छात्रों के लिए वरदान साबित होगी।

## अदालत का एसएसएलसी परीक्षा में ग्रेडिंग के मुद्दे पर पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई से इनकार

बेंगलू/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने हाल ही में एसएसएलसी (10वीं) परीक्षा के मूल्यांकन को मौजूदा नियमों के अनुसार करने के एकल न्यायाधीश के निर्देश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की पुनर्विचार याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि एसएसएलसी परीक्षा में तृतीय भाषा के प्रश्न पत्रों में ग्रेड के बजाय अंक दिए जाएं, जिसके खिलाफ सरकार ने अपील की थी। न्यायमूर्ति ई.एस. इंदिरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि नई मूल्यांकन प्रणाली एसएसएलसी परीक्षा के बाद लागू की गई थी और तो और राज्य सरकार ने परीक्षा में इन परिवर्तनों की अधिसूचना तक जारी नहीं की थी।

अदालत ने कहा कि सरकार ने न तो नियम बनाए और न ही नियमित अधिसूचना जारी की। नई मूल्यांकन प्रणाली में तृतीय भाषा विषयों को अलग–अलग ग्रेड देने का प्रस्ताव है और उन्हें छात्र के अंतिम एसएसएलसी अंकों की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा।

अधिवक्ता जनरल शशि किरण शेट्टी ने दलील दी कि लाखों छात्र हिंदी में अनुत्तीर्ण हो गए थे, जो परीक्षा में उनका तृतीय भाषा विषय था इसलिए, छात्रों पर दबाव कम करने के लिए यह निर्णय लिया गया। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि राज्य सरकार मसौदा नियम में उचित संशोधन ला रही है, जिसके तहत विद्यार्थियों को अंकों के बजाय ग्रेड दिए जाएंगे।

# बीईएल और बीएमआईटी के बीच उन्नत तकनीक के लिए समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत की प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और बिट मैपर इंटीग्रेशन टेक्नोलॉजीज (बीएमआईटी) ने रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों कंपनियाँ इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, नौसेना रडार और ड्रोन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल और सिस्टम के डिजाइन व निर्माण में सहयोग करेंगी। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय रक्षा के लिए जरूरी उच्च–तकनीकी समाधानों का घरेलू स्तर पर विकास करना है। एमओयू का आदान–प्रदान बीईएल के सीएमडी मनोज जैन और बीएमआईयी के सीईओ अमित महाजन के बीच वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। यह सहयोग 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती प्रदान करते हुए एयरोस्पेस और सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत की विदेशी निर्भरता को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

## वेश्यावृत्ति रैकेट चलाने के आरोप में तीन महिलाएं समेत चार गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में 'स्पा' और एक घर में वेश्यावृत्ति का रैकेट चलाने के आरोप में तीन महिलाओं सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बेंगलूरु पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) की महिला सुरक्षा इकाई ने पिछले दिनों एक अभियान चलाया, जिसमें आरोपियों द्वारा वेश्यावृत्ति में कथित तौर पर धकेली गई छह महिलाओं को मुक्त भी कराया गया।

पुलिस ने बताया कि मुखबिरों से अलग–अलग तिथियों पर प्राप्त सूचनाओं से पता चला कि सुनकंदकट्टे के पास मराथहल्ली क्षेत्र स्थित 'स्पा' में और शहर के मंजुनाथ नगर में एक घर में वेश्यावृत्ति करायी जा रही थी। बेंगलूरु पुलिस ने एक बयान में बताया कि जानकारी प्राप्त होने के बाद छापेमारी की गई और छह महिलाओं को मुक्त कराया गया ।

# बेलगावी में पोल्ट्री वाहन के खड़े ट्रक से टकराने से दो लोगों की मौत

बेलगावी। बेलगावी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार की सुबह कुक्कुट पक्षियों को ले जा रहे एक मालवाहक वाहन के, खड़े ट्रक से कथित तौर पर टकरा जाने के बाद दो लोगों की मौत हो गयी और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसके मुताबिक, मृतकों की पहचान शिवमोग्गा जिले के निवासी 28 वर्षीय वसीम और 22 वर्षीय मुबारक के रूप में की गयी है। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक 37 वर्षीय बसवराज एरप्पा अंजिनमणि को गंभीर चोटें आयी हैं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, हादसा तब हुआ जब कथित तौर पर झपकी आने के कारण चालक ने वाहन का नियंत्रण खो दिया और वाहन राजमार्ग पर खड़े ट्रक से टकरा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, मालवाहक वाहन मुर्गियां लेकर कोल्हापुर से शिवमोग्गा जिले के सोराब जा रहा था। टक्कर के कारण कई मुर्गियां भी मारी गईं। हिरेबागेवाड़ी पुलिस थाने के पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंच कर घटना स्थल की जाँच की। पुलिस ने बताया कि घायल चालक तथा मृतकों को अस्पताल ले जाया गया।

यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड URANIUM CORPORATION OF INDIA LIMITED
(भारत सरकार का एक उद्यम) (Government of India Enterprise)
पी.ओ.- जादुगोड़ा माईन्स, जिला पूर्वी सिंहभूम झारखण्ड - 832 102
PO: Jaduguda Mines, Dist: East Singhbhum Jharkhand - 832 102
(CIN: U 12000 JH 1967 GOI 000806)
Website : www.uraniumcorp.in

प्रशिक्षुओं के लिए भर्ती सूचना — RECRUITMENT OF TRAINEE
विज्ञापन संख्या : UCIL 10-2026 — Advertisement No: UCIL-10-2026

यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
Uranium Corporation of India Limited has invited online applications from Indian citizens for the post as follows:

| SI.No. | Name of the Post |
|---|---|
| 01 | Graduate Operational Trainee (CRD) |

रिक्तियों का पूरा विवरण अर्थात योग्यता, अनुभव, वेतनमान आदि यूसीआईएल की वेबसाइट www.uraniumcorp.in पर उपलब्ध है। इस विज्ञापन से संबंधित कोई भी प्रश्न / सूचना / विस्तार / शुद्धिपत्र आदि केवल यूसीआईएल वेबसाइट www.uraniumcorp.in पर उपलब्ध कराया जाएगा।

Full details of vacancies viz. Qualification, Experience, Scale of pay etc are available at UCIL website **www.uraniumcorp.in** Any queries / information/extension / corrigendum etc. with respect to this advertisement shall be made available on the UCIL website **www.uraniumcorp.in** only.

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23/05/2026 है।
Last date of submission of online application is **23/05/2026**
CBC 48134/11/0007/2627

# केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान हमारा गौरव : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म मंगलवार को भरतपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी द्वारा केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित 43वीं सारस गणना कार्यक्रम में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि पिछले 43 वर्षों से सारस गणना का यह सतत कार्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि भरतपुर, राजस्थान और देश की राष्ट्रीय धरोहर के संरक्षण, विकास और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी अध्यक्ष एड. कृष्ण कुमार अरोड़ा को बधाई देते हुए कहा कि वर्षों से पक्षियों एवं वन्यजीवों की इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित किया जा रहा है, जो हमारी संस्कृति, परंपरा और इतिहास को सहेजने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे न केवल प्रकृति का संरक्षण होता है, बल्कि मानव जीवन का संतुलन भी बना रहता है।

राज्यमंत्री ने कहा कि यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान हमारा गौरव है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि साइबेरियन सारस की संख्या में कमी एक गंभीर विषय है, जिसका मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम वर्षा और जल की कमी है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यटन विकास के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। केवलादेव घना पक्षी विहार के साथ-साथ बंध बारैठा, डीग जल महल, धार्मिक स्थलों एवं अन्य धरोहरों को देखने देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को गाइड, होटल और टैक्सी जैसी सेवाओं के माध्यम से रोजगार प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि वैर के सफेद महल एवं फुलवाडी के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार के कार्य जारी हैं, वहीं बंध बारैठा में बायोलॉजिकल पार्क एवं नगर वन विकसित किए जा रहे हैं।

राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भरतपुर के समग्र विकास हेतु अनेक परियोजनाएं प्रगतिरत हैं। उन्होंने बताया कि एक महत्वपूर्ण जल परियोजना के अंतर्गत भरतपुर, सीकरी, बंध बारैठा बांध, धौलपुर, अलवर सहित पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को जोड़ा गया है, जिससे सिंचाई, पेयजल, उद्योग और पर्यावरण संरक्षण के लिए जल उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर राज्यमंत्री ने डॉ. एमएम त्रिगुणायत एवं डॉ. कृतिका त्रिगुणायत द्वारा लिखित पुस्तक पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण जैविकी का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के उपरांत राज्यमंत्री ने सारस के नवजात चूजों को देखा तथा उनकी देखभाल के लिए वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। डीएफओ चेतन कुमार बीवी ने बताया कि 43वीं सारस गणना रिपोट घना पक्षी विहार में साईबेरियन सारस संख्या 22 और भरतपुर व डीग जिले के वेटलेण्ड क्षेत्र में 79 से बढ़कर 81 हो गई है।

## राजस्थान में अनेक जगह 'ऊष्ण लहर' चलने की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में तेज गर्मी का दौर जारी है और अनेक जगह अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से अनेक जगह ऊष्ण लहर चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान कोटा में 42.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर, उदयपुर, जोधपुर व बीकानेर सहित अनेक जगह अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहा।

केंद्र के अनुसार, अगले दो दिन तक राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा। 23 अप्रैल से राज्य के गंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनू, भरतपुर व धौलपुर सहित कई जिलों में ऊष्ण लहर (हीट वेव) चलने का 'येलो अलर्ट' है। राज्य में पड़ रही तेज गर्मी से आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। दोपहर में सड़कों व बाजारों में सन्नाटा छा जाता है और लोग जरूरी काम के लिए ही बाहर निकलते हैं।

# महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा सरकार : अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजस्थान प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। अग्रवाल ने कहा कि लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक के पारित न होने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न तो हतोत्साहित हैं और न ही उनके आत्मविश्वास में कोई कमी आई है।

उन्होंने यहां पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं को शीघ्र आरक्षण देने के उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक लेकर आए तो कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों ने इसके रास्ते में हर प्रकार के रोड़े अटकाए। उन्होंने षडयंत्रपूर्वक यह सुनिश्चित किया कि हम इस संशोधन विधेयक को पारित न करवा पाएं।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री न तो इससे हतोत्साहित हुए हैं, न उनके चेहरे पर शिकन है, न ही उनके आत्मविश्वास में कोई कमी है। अग्रवाल के अनुसार, हमने तय किया है कि महिलाओं को आरक्षण देना हमारा सैद्धांतिक विषय है। हम यह मानते हैं कि देश के विकास की कल्पना और देश की परिपक्व राजनीति की कल्पना महिलाओं के सहयोग के बिना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी व उसके सहयोगी चाहे कितने भी अवरोध पैदा करें हम जल्दी से जल्दी लोकसभा व विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण को लागू करके रहेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी जल्द से जल्द महिला आरक्षण को व्यवहारिक रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने भाजपा विरोधी दलों के इस रुख को महिला विरोधी बताते हुए उसकी निंदा की ओर कहा कि महिला आरक्षण के विरोध में विपक्ष का इस तरह खुलकर सामने आना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं जागरूक और सजग हैं तथा वे विपक्ष का वास्तविक चेहरा समझ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि समय आने पर महिलाएं इसका उचित जवाब देंगी।

# 'महिला-विरोधी' भाजपा सरकार ने जान-बूझकर महिलाओं के लिए आरक्षण में देरी की : अलका लांबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र की महिला-विरोधी भारतीय जनता पार्टी सरकार ने जान-बूझकर महिलाओं के लिए आरक्षण का कानून लागू करने में देरी की। लांबा ने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण कानून सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित हो गया लेकिन सरकार लगभग 30 महीनों तक इस कानून को अधिसूचित करने में नाकाम रही। उन्होंने यहां कांग्रेस दफ़्तर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनावों के बीच में संसद की विशेष बैठक बुलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, यह महिलाओं के लिए आरक्षण के बारे में नहीं था। वह वधियेक तो पहले ही पारित हो चुका है। सरकार जो लाई वह परिसीमन से सम्बद्ध है लेकिन उसे इस तरह से पेश किया गया जिससे भ्रम पैदा हो। लांबा ने कहा कि विपक्ष ने विशेष बैठक से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की लेकिन सरकार ने कोई प्रस्ताव नहीं दिया। उन्होंने विशेष बैठक के समय पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि संसद के कई सदस्य चुनावों के लिए प्रचार में व्यस्त थे। उन्होंने कहा, यह बैठक दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद या मॉनसून सत्र के दौरान भी की जा सकती थी। उन राज्यों के सांसदों की आवाज भी सुनी जानी चाहिए जहां चुनाव हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'राष्ट्र के नाम संबोधन' की भी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह राजनीतिक था और उन्होंने इसमें केवल विपक्ष को कोसा।

लांबा ने मांग की कि मौजूदा लोकसभा की मौजूदा 534 सीट में ही 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने दावा किया कि एकजुट विपक्ष ने सरकार को अपना एजेंडा आगे बढ़ाने से रोक दिया। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए दबाव बनाना जारी रखेंगे कि यह कानून जल्द से जल्द लागू हो। लांबा ने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के लिए आरक्षण के मुद्दे पर देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी और हस्ताक्षर अभियान चलाकर मानसून सत्र में भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपेगी।

# पंच गौरव संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए जनभागीदारी आवश्यक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिले में चिन्हित पंच-गौरव के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि पंच-गौरव केवल धरोहर संरक्षण की योजना नहीं, बल्कि यह स्थानीय पहचान, सांस्कृतिक गौरव एवं भावी पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसके संरक्षण एवं विकास के लिए प्रशासन, शिक्षा संस्थानों और समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने पंच-गौरव की महत्ता, उपयोगिता एवं आवश्यकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से सभी राजकीय कार्यालयों, सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों में पंच-गौरव का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं ताकि युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं सामाजिक धरोहरों के प्रति जागरूकता एवं संरक्षण की भावना विकसित हो।

जिला कलक्टर ने एक जिला एक खेल कबड्डी के विकास के लिए जिला खेल अधिकारी को जिले के गाँव-गाँव में खिलाड़ी एवं कोच तैयार करने के, ब्लॉक स्तर पर कबड्डी खेल को बढ़ावा देने के लिए इंडोर स्टेडियम बनवाने के निर्देश दिये। उन्होंने विश्व पर्यटन के क्षेत्र में प्रमुख स्थान रखने वाले जयपुर के आमेर किले के विकास एवं पर्यटकों के लिए बेहतरीन सुविधाएँ सुनिश्चित करने और आमेर किले में बेहतर साफ-सफाई, शौचालय निर्माण, पर्यटकों की सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगवाने, साइनेज लगवाने के साथ-साथ रास्ते में आने वाली झाड़ियों को हटाने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने एक जिला एक उपज आँवला के विकास के लिए आमजन को इसके आयुर्वेदिक गुणों की जानकारी के संबंध में अवगत करवाने के लिए संबंधित विभाग को इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा है। वहीं उन्होंने एक जिला एक वनस्पति लिसोड़ा के पौधों के वितरण सहित लिसोड़ा के बहुउपयोग के संबंध में आमजन को प्रचार-प्रसार के माध्यम से अवगत करवाने के लिए भी उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने एक जिला एक उत्पाद जैम्स एंड ज्वैलरी के विकास के लिए वर्कशॉप, सेमिनार, राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक भ्रमण जैसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा है। मुख्य आयोजन अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि कार्यक्रमों, मेलों एवं सार्वजनिक आयोजनों में पंच-गौरव से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगें जहां आमजन को पंच-गौरव स्थलों की जानकारी, उनके संरक्षण की आवश्यकता तथा उनसे जुड़ी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम विनीता सिंह, वी. केतन कुमार, सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक बाबुलाल मीणा, उद्यानिकी विभाग के उपनिदेशक हरलाल बिजारनियां, जिला खेल अधिकारी मान सिंह एवं पर्यटन अधिकारी बाबूलाल मीणा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## मुख्य सचिव ने रिफाइनरी में आग को लेकर एचपीसीएल के अधिकारियों के साथ चर्चा की

जोधपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने पचपदरा स्थित तेल रिफाइनरी में आग लगने की घटना के संबंध में मंगलवार को सुबह एचपीसीएल कंपनी के अधिकारियों के साथ चर्चा की। मुख्य सचिव ने बताया कि उन्होंने सुबह एचपीसीएल के चेयरमैन से बात की और स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने जोधपुर में पत्रकारों से कहा, कल की घटना के संबंध में आज रिफाइनरी में एक बैठक में विस्तृत चर्चा की जाएगी। रिफाइनरी के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने जोधपुर में अधिकारियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री भजनलाल का भी आज रिफाइनरी का दौरा करने और वहां अधिकारियों के साथ बैठक करने का कार्यक्रम है।

वी. श्रीनिवास पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं और मंगलवार सुबह अधिकारियों की एक टीम के साथ वह जोधपुर सर्किट हाउस से घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए श्रीनिवास ने कहा कि वह मौके पर जाकर स्थिति की समीक्षा करेंगे और संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है और इसके हर पहलू पर बारीकी से नजर रख रही है।

# भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का पहला राजस्थान दौरा : 27 को टोंक में हाईटेक कार्यालय का करेंगे उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन अपने कार्यकाल के पहले राजस्थान प्रवास की शुरुआत टोंक जिले से करेंगे। आगामी 27 अप्रैल को प्रस्तावित इस ऐतिहासिक दौरे के दौरान वे टोंक में भाजपा के नवनिर्मित हाईटेक जिला कार्यालय का उद्घाटन करेंगे और बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी शामिल होंगे। कार्यक्रम की भव्यता सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने जिला कार्यालय में क्लस्टर प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की और जिम्मेदारियां सौंपी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन का यह पहला राजस्थान दौरा है, जिसे ऐतिहासिक बनाना हर कार्यकर्ता का लक्ष्य होना चाहिए। चौहन ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यालय के उद्घाटन के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का मार्गदर्शन देंगे। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने राजस्थान दौरे की शुरुआत के लिए टोंक को चुना है।

## मुख्यमंत्री आज जारी करेंगे 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' की छठी किश्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि राज्य के 66 लाख से अधिक किसानों को बुधवार को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की छठी किस्त के रूप में 665 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जोधपुर के ओसियां में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा योजना की किस्त जारी करेंगे। दक ने बताया कि इस अवसर पर जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर भी कृषि विभाग के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में कृषकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अब तक 5 किश्तों के माध्यम से प्रदेश के 71 लाख से अधिक किसान परिवारों को 2726 करोड़ रुपये से अधिक की धन राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जा चुकी है। साथ ही, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत राज्य सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल में 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 6 किस्तों में 9583 करोड़ रुपये हस्तान्तरित किए गए है। सहकारिता मंत्री ने बताया कि राज्य में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू कर पीएम किसान सम्मान निधि योजना के समस्त पात्र किसानों को तीन समान किस्तों में 3000 रुपये की अतिरिक्त राशि दी जा रही है। राज्य में अब योजना के पात्र किसानों को 9000 रुपये प्रति वर्ष सम्मान निधि के रूप में मिल रहे हैं ।

# तकनीकी कारणों से टला रिफाइनरी लोकार्पण : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को बालोतरा जिले में आयोजित प्रेस वार्ता में रिफाइनरी से जुड़ी अहम जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से होना था, जिसे तकनीकी कारणों के चलते टालना पड़ा। पटेल ने बताया कि दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी परिसर में लीकेज की समस्या सामने आई थी। घटना की जानकारी मिलते ही तकनीकी अधिकारियों और एचपीसीएल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर, लगभग 2:45 बजे तक स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। अधिकारियों की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया से एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को रिफाइनरी पहुंचकर तकनीकी व्यवस्थाओं व सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कंट्रोल रूम में तैनात अग्निशमन अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद कर उनकी कार्यक्षमता की सराहना की। साथ ही, आपात स्थिति में मुस्तैदी से काम करने वाली महिला अधिकारियों के साहस और समर्पण की भी विशेष प्रशंसा की। पटेल ने बताया कि रिफाइनरी एक विस्तृत क्षेत्र में फैली हुई है और लीकेज से हुआ नुकसान केवल एक सीमित हिस्से तक ही सीमित रहा। उन्होंने कहा कि लीकेज के वास्तविक कारणों की गहन जांच के लिए अन्य रिफाइनरियों से विशेषज्ञों और बड़ी तकनीकी टीमों को बुलाया जा रहा है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि मरम्मत कार्य पूरा होते ही रिफाइनरी अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कमर्शियल उत्पादन शुरू कर देगी।

साथ ही प्रशासन और तकनीकी टीमें लगातार निगरानी बनाए हुए हैं, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह रिफाइनरी क्षेत्र के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी।

# राजस्थान रिफाइनरी में आग से वित्तीय, परिचालन प्रदर्शन पर असर नहीं : एचपीसीएल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी एचपीसीएल ने मंगलवार को कहा कि नवनिर्मित राजस्थान रिफाइनरी में आग लगने से वित्तीय या परिचालन प्रदर्शन पर कोई बड़ा असर पड़ने की आशंका नहीं है और सभी इकाइयां संरचनात्मक रूप से सुरक्षित हैं। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 20 अप्रैल को कच्चे तेल की डिस्टिलेशन इकाई में आग लग गई थी। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिला है कि हीट एक्सचेंजर सर्किट में किसी वाल्व या फ्लैंज से हाइड्रोकार्बन का रिसाव होने से यह हादसा हुआ।

एचपीसीएल के मुताबिक, आग हीट एक्सचेंजर तक ही सीमित रही और वहां मौजूद आपातकालीन टीम ने जल्द ही इस पर काबू पा लिया। इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि एहतियात के तौर पर कच्चा तेल डिस्टिलेशन इकाई, वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट (वीडीयू) और उससे जुड़े अन्य हिस्सों को अलग कर दिया गया। कंपनी ने कहा कि रिफाइनरी के किसी अन्य हिस्से पर इस घटना का असर नहीं पड़ा है।

एचपीसीएल ने बताया कि घटना के कारणों की जांच के लिए आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों की एक टीम गठित की गई है और जरूरी सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

# राष्ट्रपति मुर्मू ने राउरकेला में 158 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**राउरकेला/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के राउरकेला में लगभग 158 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

इन परियोजनाओं में एक तारामंडल और विज्ञान केंद्र, निर्मल मुंडा परिवेश पथ, एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र, एक जनजातीय संग्रहालय और एक मनोरंजन पार्क शामिल हैं।

स्टील सिटी कहलाने वाले राउरकेला की एक दिवसीय यात्रा पर आईं मुर्मू का झारसुगुड़ा स्थित वीर सुरेंद्र साई (वीएसएस) हवाई अड्डे पर राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने स्वागत किया।

राउरकेला पहुंचने पर राष्ट्रपति ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया और छात्रों से बातचीत की।

जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम भी इस अवसर पर उपस्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर राउरकेला और पास के झारसुगुड़ा जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

उन्होंने यह भी बताया कि झारसुगुड़ा प्रशासन ने पूरे जिले में 'नो-फ्लाई जोन' और 'नो-ड्रोन जोन' लागू कर दिया है।

## मणिपुर : बंद के आह्वान को लेकर दो आदिवासी समुदायों में झड़प

**इंफाल/भाषा।** मणिपुर के सेनापति और उससे सटे कांगपोकपी जिलों की सीमाओं पर मंगलवार को एक नागरिक समाज संगठन द्वारा आहूत बंद को लेकर दो आदिवासी समुदायों के प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई, जिससे इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि उखरुल जिले में 18 अप्रैल को दो लोगों की हत्या के विरोध में 'यूनाइटेड नगा काउंसिल' द्वारा आहूत तीन दिवसीय बंद लागू करने के लिए नगा कार्यकर्ताओं द्वारा की गई नाकाबंदी को स्थानीय पुलिस द्वारा हटाने का प्रयास करने के बाद झड़प हुई। एक अधिकारी ने बताया कि चांगौबुंग कुकी गांव के ग्रामीणों के शामिल होने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव हुआ।

# क्या संविधान उस श्रद्धालु की रक्षा नहीं करेगा जिसे मूर्ति छूने की अनुमति नहीं है : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को शबरिमला अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी से पूछा कि क्या संविधान उस श्रद्धालु की रक्षा नहीं करेगा जिसे मूर्ति छूने की अनुमति नहीं है।

शीर्ष न्यायालय की यह टिप्पणी मुख्य पुजारी के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि जब कोई श्रद्धालु पूजा के लिए मंदिर जाता है तो यह किसी देवता की विशेषताओं के विरोध में नहीं हो सकता।

नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ केरल के शबरिमला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और विभिन्न आस्थाओं को मानने वाले लोगों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रही है।

पीठ में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायाधीश एमएम सुंदरेश, न्यायाधीश अहसानुद्दीन अमानुल्ला, न्यायाधीश अरविंद कुमार, न्यायाधीश ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, न्यायाधीश प्रसन्ना बी वराले, न्यायाधीश आर महादेवन और न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची शामिल हैं।

'तंत्री' की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता वी. गिरि ने कहा कि किसी भी मंदिर में संपन्न होने वाले समारोहों और अनुष्ठानों की प्रकृति धर्म का अभिन्न अंग है और इसलिए यह एक धार्मिक प्रथा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रथा का जारी रहना, जो एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है, पूजा के अधिकार का एक हिस्सा होगा जो धर्म या धार्मिक संप्रदाय में विश्वास रखने वाले प्रत्येक सदस्य के लिए है।

गिरि ने कहा, ''जब कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवता के गुणों के विरुद्ध नहीं जा सकता, क्योंकि उसका उद्देश्य देवता की पूजा करना है। भक्त देवता में निहित दिव्य ओज के प्रति समर्पण करता है। उसे देवता के मूल गुणों को स्वीकार करना होता है।''

न्यायमूर्ति अमानुल्ला ने प्रश्न किया, ''जब मैं किसी मंदिर में जाता हूं, तो मेरी मूल मान्यता यह होती है कि वह भगवान है, वह मेरा सृष्टिकर्ता है, उसने मुझे बनाया है, है ना?''

न्यायमूर्ति अमानुल्ला ने कहा, '' मैं वहां शत प्रतिशत आस्था के साथ जाता हूं। मैं पूरी तरह समर्पित हूं, मेरे हृदय में कोई अशुद्धता नहीं है। और वहां मुझे बताया जाता है कि जन्म, वंश या किसी विशेष परिस्थिति के कारण, आपको देवता को छूने की अनुमति नहीं है। अब, क्या संविधान मेरी मदद नहीं करेगा?'' उन्होंने कहा कि सृष्टिकर्ता और सृष्टि में कोई अंतर नहीं हो सकता।

महिला आरक्षण की पैरोकारी करने के चलते

# प्रधानमंत्री मोदी को अपशब्द कह रही कांग्रेस : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''आतंकवादी'' कहे जाने की निंदा करते हुए कहा कि यह मुख्य विपक्षी दल की मानसिकता को दर्शाता है और जनता उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी।

सत्तारूढ़ दल ने दावा किया कि खरगे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इशारे पर मोदी के खिलाफ इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी की है क्योंकि प्रधानमंत्री लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना चाहते हैं। भाजपा की प्रतिक्रिया उस वक्त आई, जब खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर विपक्ष को दबाने के लिए सरकारी तंत्र और केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर राजनीतिक दलों और लोगों को आतंकित करने का आरोप लगाया।

खरगे की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ''कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया, वह न केवल निंदनीय है, बल्कि कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को भी दर्शाता है। खरगे ने उन्हें आतंकवादी कहा।''

पात्रा ने खरगे के स्पष्टीकरण को खारिज करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने राहुल गांधी के इशारे पर जानबूझकर प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा।

भाजपा सांसद ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''यह जुबान फिसलने का मामला नहीं है। यह जानबूझकर किया गया है। चाहे वह कोई भी स्पष्टीकरण दे रहे हों, यह कांग्रेस की सोची-समझी साजिश है।''

# सपा और कांग्रेस की सोच मेंढक जैसी, अगर कूदेंगे तो नाले में ही गिरेंगे : गुलाब देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश की शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दलों की सोच मेंढक जैसी है और अगर वे कूदेंगे, तो नाले में ही गिरेंगे।

गुलाब देवी ने यह टिप्पणी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' के दौरान की।

उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और सपा सहित अन्य विपक्षी दलों पर पिछले हफ्ते लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक की राह में अड़चन डालने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री आवास (5 कालिदास मार्ग) से विधान भवन तक पदयात्रा निकाली।

गुलाब देवी ने कहा, सपा और कांग्रेस की सोच मेंढक जैसी है। अगर वे कूदेंगे, तो नाले में ही गिरेंगे। महिलाओं को विपक्ष की मानसिकता को पहचान लेना चाहिए। उन्होंने कहा, (लोकसभा में) विधेयक के गिरने से देशभर की महिलाओं में आक्रोश है। यह आक्रोश पंचायतों से लेकर विधानसभाओं और संसद तक दिखना चाहिए।

उत्तर प्रदेश की महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि जब यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका, तो कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और सपा सांसद डिंपल यादव ने खुशी में मेज थपथपाई थी। उन्होंने महिलाओं से इस अपमान का बदला लेने का आह्वान किया।

वहीं, पूर्व भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए यह विधेयक पेश किया था, लेकिन विपक्ष ने अपनी महिला-विरोधी मानसिकता के कारण इसका विरोध किया। उन्होंने महिलाओं से एकजुट होने और विपक्ष को अपनी ताकत दिखाने का आग्रह किया।

# कोई नहीं चाहता कि बंगाल में भाजपा सरकार बनाए : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हल्दिया (पश्चिम बंगाल)/भाषा।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता में आएगी और कोई नहीं चाहता कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनाए।

पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने विपक्षी दलों का आह्वान किया कि केंद्र से भाजपा नीत राजग सरकार को हटाने के लिए सब साथ में आएं। उन्होंने कहा, ''भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव नहीं जीतेगी। तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सरकार बनाएगी। हम 2026 में ही दिल्ली से भी भाजपा को हटा देंगे।''

तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह पिछले एक महीने से पश्चिम बंगाल का गहन दौरा कर रही हैं और इस अवधि में ''मैं समझ गई कि जनता क्या चाहती है, यह साफ है कि कोई भी भाजपा को नहीं चाहता।''

तृणमूल कांग्रेस सरकार पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए भाजपा द्वारा जारी 'आरोपपत्र' पर उसे आड़े हाथ लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह भी हल्दिया डॉक कॉम्प्लैक्स और उससे लगे औद्योगिक क्षेत्र में 'कट-मनी' लेने के लिए भाजपा के खिलाफ आरोपपत्र जारी कर रही हैं।

बनर्जी ने कहा, ''आपने तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ आरोपपत्र जारी किया, मैं भी भाजपा के खिलाफ आरोपपत्र जारी कर रही हूं।''

संसद में महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर

# सांसद पप्पू यादव घिरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव संसद में महिला आरक्षण के मुद्दे महिलाओं को लेकर विवादित टिप्पणी करने के चलते मंगलवार को आलोचनाओं के घेरे में आ गए।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की राजनीति में महिलाओं को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने उनकी आलोचना की है, जिसमें शहजाद पूनावाला और तुहिन सिन्हा शामिल हैं।

पूनावाला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''चौंकाने वाला बयान! जब देश नारी शक्ति को आगे बढ़ाने में जुटा है, तब देखिए कांग्रेस समर्थित सांसद क्या कह रहे हैं।'' सिन्हा ने अपने पोस्ट में यादव के बयान को ''घृणित और शर्मनाक'' बताया। उन्होंने कहा, ''पप्पू यादव स्वनिर्मित महिला नेताओं का अपमान कर रहे हैं। क्या प्रियंका गांधी इस आपत्तिजनक महिला-विरोधी नेता को बाहर करेंगी या उनके विचारों का समर्थन करती हैं? घृणित लोग।''

इस बीच, बिहार राज्य महिला आयोग ने यादव को नोटिस जारी करके तीन दिनों के भीतर जवाब मांगा है कि क्यों ना उनकी अयोग्यता की सिफारिश करते हुए लोकसभा अध्यक्ष से संपर्क किया जाए।

## रांची में श्रमिकों ने बकाया वेतन को लेकर प्रदर्शन किया

**रांची/भाषा।** झारखंड की राजधानी रांची में वस्त्र निर्यात करने वाली एक कंपनी के एक हजार से अधिक श्रमिकों ने मंगलवार को वेतन भुगतान में देरी को लेकर फैक्टरी के द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर महिला श्रमिक शामिल थीं। अधिकारियों ने बताया कि इस विरोध प्रदर्शन के कारण खेलगांव-टाटीसिलवे मार्ग पर करीब चार घंटे तक यातायात बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों में शामिल एक महिला श्रमिक, ज्योति देवी ने आरोप लगाया कि उन्हें फरवरी और मार्च महीने का वेतन नहीं मिला है। उन्होंने कहा, अप्रैल में मुझे दो किस्तों में केवल 1,500 रुपए मिले, जबकि कंपनी में हमारा वेतन तय है। जब हमने भुगतान के संबंध में प्रबंधन से संपर्क किया, तो उन्होंने केवल आश्वासन दिया लेकिन वास्तव में वह कुछ नहीं कर रहे हैं।

# महिला विरोधी है विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन: पंकज चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मंगलवार को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को महिला विरोधी गठबंधन करार दिया और कहा कि उसे इसके परिणाम 2027 के राज्य विधानसभा चुनाव में भुगतने होंगे।

महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीट की संख्या बढ़ाकर 816 करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा लाया गया संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पिछले शुक्रवार को निचले सदन में पारित नहीं हो पाने के बाद चौधरी की यह टिप्पणी आयी है।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने उत्तर प्रदेश विधान भवन के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, नारी का उत्थान व सम्मान, भाजपा की यही पहचान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तीकरण के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम का मुख्य उद्देश्य देश की माताओं और बहनों को नेतृत्व का अधिकार देना है, ताकि लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीट पर महिलाएं चुनाव लड़ सकें और नीति-निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके बावजूद समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस सहित विपक्ष ने इसमें बाधा डाली।'' उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों ने कहा कि इससे उत्तर और दक्षिण भारत में भेद उत्पन्न हो जाएगा। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि मुस्लिम महिलाओं का आरक्षण भी होना चाहिए। हमारे नेताओं ने सदन में इन सभी आपत्तियों का विस्तार से जवाब दिया।'' उन्होंने कहा कि विपक्षी दल जहां एक तरफ महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण की बात करते हैं, वहीं दूसरी तरफ नकाब और वोट बैंक के चक्कर में उन्होंने 20 प्रतिशत अल्पसंख्यक महिलाओं के नाम पर 80 प्रतिशत बहुसंख्यक महिलाओं के हितों को ठेस पहुंचाने का काम किया

# पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी पर उतरे लड़ाकू विमान

22 अप्रैल को होगा वायुसेना का युद्धाभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**सुलतानपुर (उप्र)/भाषा।** सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी पर वायुसेना के युद्धाभ्यास की तैयारियों के तहत मंगलवार दोपहर लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनायी दी। इस दौरान आठ लड़ाकू विमान पूर्वाभ्यास के लिए हवाई पट्टी पर उतरे।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के परियोजना प्रबंधक इमरान ने बताया कि बुधवार को होने वाले वायुसेना के युद्धाभ्यास कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पिछले कई दिनों से की जा रही तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के पूर्वाभ्यास के लिए अपराह्न लगभग डेढ़ बजे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे स्थित अरवल कीरी करवत गांव के पास बनी हवाई पट्टी पर भारतीय वायुसेना के आठ लड़ाकू विमान उतरे। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को इस हवाई पट्टी पर अपराह्न दो बजे से शाम पांच बजे तक और शाम छह बजे से रात नौ बजे तक युद्धाभ्यास और विशेष अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इमरान ने बताया कि इस दौरान विभिन्न प्रकार के आधुनिक लड़ाकू विमान उड़ान भरेंगे और उतरेंगे। उन्होंने बताया कि इस युद्धाभ्यास में सुखोई, मिराज, तेजस और जगुआर जैसे विमान करतब दिखाएंगे।

यूपीडा के परियोजना प्रबंधक ने बताया कि आज सुलतानपुर जिले के जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह और पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने भी हवाई पट्टी पर पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पूर्वाभ्यास के दौरान विमानों ने हवाई पट्टी पर कई बार उड़ान भरी और इस दौरान सुरक्षा के लिए आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती की गई।

# शेफाली टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में छठे पायदान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से छठे पायदान पर पहुंच गईं।

शेफाली ने रविवार को डरबन में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 38 गेंद पर 57 रन बनाए थे लेकिन भारत मेजबान टीम से आठ विकेट से हार गया जिससे शृंखला में वह 0-2 से पिछड़ गया।

भारत को इसी मैदान पर खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें शेफाली ने 34 रन का योगदान दिया था।

भारत की उप कप्तान और शेफाली की सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना अब तक खेले गए दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 47 रन बनाए थे।

महिला विश्व कप की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को चार स्थान का नुकसान हुआ है। खराब फॉर्म के चलते वह अब बल्लेबाजों की सूची में 14वें स्थान पर खिसक गई हैं।

यह शृंखला दोनों टीम के लिए आगामी टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाला है।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने भारत के खिलाफ दूसरे मैच में शानदार अर्धशतक लगाने के बाद बल्लेबाजों की सूची में अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शीर्ष पर हैं।

दक्षिण अफ्रीका की अन्य खिलाड़ियों में एनेरी डर्कसेन (18 स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

# घुसपैठियों को बचा रहीं हैं ममता : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शालबनी (प. बंगाल)/भाषा।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ''घुसपैठियों को संरक्षण', और वंशवादी राजनीति को बढ़ावा दे रही हैं तथा राज्य में बाबरी मस्जिद के समान मस्जिद बनाने के प्रयासों का समर्थन कर रही हैं, जिसे भाजपा किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेगी।

शाह ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी में चुनाव के पहले चरण से पहले एक रैली को संबोधित करते हुए इस चुनावी मुकाबले को सीधे भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच वैचारिक लड़ाई के रूप में पेश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव ''घुसपैठ और भ्रष्टाचार से पश्चिम बंगाल को मुक्त कराने'' का लेकर है। उन्होंने कहा, ''ममता दीदी घुसपैठियों को बचाना चाहती हैं। लेकिन मैं आपसे कह रहा हूं, 23 अप्रैल को ईवीएम पर कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) का बटन दबाइए और भाजपा की सरकार बंगाल से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी।''

केंद्रीय गृह मंत्री ने बंगाल की राजनीति में भाईपो संस्कृति पर अपना हमला और तेज किया तथा ममता बनर्जी के भतीजे एवं तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''ममता जी अपने भतीजे को बंगाल का मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं। वे यह कहकर लोगों को गुमराह कर रही हैं कि अगर भाजपा जीतती है तो कोई बाहरी व्यक्ति मुख्यमंत्री बनेगा।''

शाह ने कहा, ''मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि बंगाल का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से होगा, जो बंगाल में जन्मा और पला-बढ़ा होगा और बांग्ला बोलेगा। निश्चित रूप से वह 'भाईपो' नहीं होगा, वह भाजपा का कार्यकर्ता होगा।

भाईपो संस्कृति एक राजनीतिक शब्द है, जिसका इस्तेमाल खासकर पश्चिम बंगाल की राजनीति में होता है। इसमें भाईपो का अर्थ भतीजा होता है।

सत्तारूढ़ तृणमूल पर अपना हमला तेज करते हुए शाह ने तृणमूल से निलंबित विधायक एवं 'आम जनता उन्नयन पार्टी' के संस्थापक हुमायूं कबीर का उल्लेख किया और उनपर राज्य में बाबरी मस्जिद का मुद्दा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने 'जय श्रीराम' के नारों के बीच कहा, मोदी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) जी ने अयोध्या में राम मंदिर बनवाया। पांच सौ पचास वर्षों तक इन लोगों ने राम मंदिर बनने नहीं दिया। यह (मंदिर) वहीं बना जहां कभी बाबरी मस्जिद थी। अब ममता दीदी अपने सहयोगी हुमायूं कबीर के जरिये बंगाल में बाबरी मस्जिद बनवाना चाहती हैं।''

शाह ने कहा, ''दीदी, ध्यान से सुन लीजिए। पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है और हम किसी को भी पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं देंगे।''

## सुविचार

**राह संघर्ष की जो चलता है, वही संसार को बदलता है, जिसने रातों से जंग जीती है, सूर्य बनकर वही निकलता है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# जादू की छड़ी नहीं एआई

गैलप और कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी के अध्ययन में विद्यार्थियों द्वारा एआई टूल्स के इस्तेमाल को लेकर जो निष्कर्ष साझा किए गए हैं, वे चिंताजनक हैं। अभी दुनियाभर में एआई के चर्चे हैं। इसे जादू की ऐसी छड़ी की तरह पेश किया जा रहा है, जिसके पास हर सवाल का जवाब है। ये जवाब कितने सही हैं? इनका आधार क्या है? इस पर अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी जा रही है। हर काम, खासकर पढ़ाई में एआई टूल्स का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने में कई जोखिम हैं। उक्त अध्ययन के इन निष्कर्षों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता कि एआई टूल्स पर ज्यादा निर्भरता मौलिक बुद्धि पर नकारात्मक असर डाल सकती है। कई बच्चे इनके इतने आदी हो चुके हैं कि वे ज्यादातर विषयों के गृहकार्य एआई टूल्स से पूछकर करते हैं। गणित का कोई सवाल हो, विज्ञान का कोई प्रयोग हो, अंग्रेजी या हिंदी में कोई निबंध लिखना हो, वे एआई टूल्स से पूछकर हूबहू लिख देते हैं। वे कुछ भी सोचना-समझना नहीं चाहते। उनका काम आसानी से हो रहा है। उन्हें बहुत कम मेहनत करनी पड़ रही है। बस, यह उनके लिए काफी है। माता-पिता भी यह सोचकर खुश हैं कि बच्चे जो कुछ जानना-पूछना चाहते हैं, वह सब आसानी से उपलब्ध है। इन बच्चों को अभी तो फायदे दिखाई दे रहे हैं, लेकिन लंबी अवधि में इससे बड़ा नुकसान हो सकता है। सबसे बड़ा नुकसान यह है कि सोचने-समझने और तर्क करने की क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। किसी सवाल का जवाब सोचने और लिखने से बौद्धिक विकास होता है। इससे तर्क क्षमता बढ़ती है।

अगर बच्चे हर सवाल का जवाब एआई से पूछकर लिखेंगे तो उनका बौद्धिक विकास कैसे होगा और तर्क क्षमता कैसे बढ़ेगी? कई बार एआई टूल्स गलत जानकारी देते हैं। विद्यार्थी उस पर आंखें मूंदकर विश्वास करते हैं। जब शिक्षक बताते हैं कि यह गलत है तो उन्हें आश्चर्य होता है कि एआई टूल्स भी गलती कर सकते हैं! हां, एआई टूल्स गलती कर सकते हैं और कई बार बड़ी गलती कर सकते हैं। एक विद्यार्थी को किसी कविता की व्याख्या लिखनी थी। उसने पृष्ठ की फोटो खींचकर एआई टूल को भेज दी। एआई ने व्याख्या तो काफी हद तक सही लिखी, लेकिन कवि का नाम गलत लिखा। हाल में उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में दायर ऐसी याचिकाएं चर्चा में रहीं, जिन्हें पढ़कर न्यायाधीशों ने याचिकाकर्ताओं को फटकार लगाई। उनमें ढेरों गलतियां थीं। अगर एआई टूल्स लगातार गलत जानकारी देते रहेंगे और विद्यार्थी उन पर विश्वास करते रहेंगे तो उनका भविष्य क्या होगा? वे तो गलत को ही सही मान लेंगे! अस्सी और नब्बे के दशक में स्कूली विद्यार्थियों के बीच कुंजियां बहुत लोकप्रिय होती थीं। उन्हें पढ़ना प्रशंसनीय तो नहीं माना जाता था, लेकिन विद्यार्थियों को काफी सुविधा हो जाती थी। उन्हें सवालों के जवाब आसानी से मिल जाते थे। कई विद्यार्थी गृहकार्य में कुंजी का जवाब हूबहू उतार देते थे। कुछ कुंजियों में जवाब की जगह लिखा होता था- 'छात्र स्वयं करें।' कई कुंजीप्रेमी छात्र जवाब में यही लिख देते थे। उन्हें लगता था कि जो कुछ कुंजी में लिखा है, वही सही है और हमारे लिए काफी है। शिक्षक उनकी गलती पकड़ लेते थे। जब पूछताछ होती तो वे दावा करते थे कि कुंजी से नहीं, अपनी बुद्धि से लिखा है। हालांकि बाद में गलती स्वीकार कर लेते थे। पढ़ाई में एआई टूल्स का इस्तेमाल पूरी तरह बंद नहीं करना चाहिए। इनके कुछ फायदे हैं, जिनसे विद्यार्थियों को वंचित करना उचित नहीं है। इस्तेमाल की एक सीमा निर्धारित करनी चाहिए, ताकि बच्चों का बौद्धिक विकास अवरुद्ध न हो। एआई पर पूरी तरह निर्भर होने के बजाय इसके साथ संतुलन बनाकर चलने की जरूरत है।

## ट्वीटर टॉक

अद्वैत वेदांत की दिव्य ज्योति को फिर से जगाने वाले जगद्गुरु आदि शंकराचार्य जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।अपनी असाधारण बुद्धि, तर्क और आध्यात्मिकता से उन्होंने न केवल सनातन संस्कृति को एक नया आयाम दिया।

**-वसुंधरा राजे**

राजपुरोहित समाज के सबसे पूजनीय देवता, परम पूज्य श्री खेताराम जी महाराज की जयंती के अवसर पर, हम उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं। उनकी शिक्षाएँ हमें हमेशा लोगों की भलाई के लिए समर्पित रहने और सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

**-अशोक गहलोत**

भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त, महान संत और मशहूर कवि सूरदास जी की जयंती पर, मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ! अष्टछाप के शानदार कवि सूरदास जी के पद, जिन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से भगवान के मनमोहक बाल रूप का वर्णन किया।

**-भजनलाल शर्मा**

## प्रेरक प्रसंग

# भक्ति और संदेश

एक बार संत कबीर गंगा किनारे टहल रहे थे। उन्होंने देखा कि एक पपीहा प्यास से परेशान होकर नदी में गिर पड़ा। पपीहा स्वाति नक्षत्र की बूंद के सिवा दूसरा पानी नहीं पीता। उसके आसपास कितने ही समुद्र, कुएं, तालाब और नदियां भरी पड़ी हों, वह प्यासा मर जायेगा लेकिन किसी दूसरे पानी को भूलकर भी नहीं पीयेगा। कबीर और उसके शिष्यों ने देखा कि जोर की गर्मी के बावजूद नदी में गिरे पपीहे ने पानी पीने के लिए अपनी चोंच नहीं खोली। स्वाति नक्षत्र की बूंद के प्रति पपीहे की यह निष्ठा देखकर कबीर ने अपने शिष्यों से कहा कि, जब मैं इस नन्हे से पपीहे की स्वाति बूंद के प्रति यह अटूट भक्ति देखता हूं कि वह जान देने को तत्पर है, पर नदी का पानी पीने को तैयार नहीं तो मुझे सदगुरु के प्रति अपनी भक्ति हेय लगने लगती है। यदि ह्मारे भीतर प्रभु के प्रति पपीहे जैसी तीव्र लालसा हो, तो हम बहुत जल्द ऊंचे रूहानी मण्डलों में पहुंच सकते हैं।

## सामयिक

# छात्रों का आत्मघातः सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी?

**ललित गर्ग**
मोबाइल : 9811051133

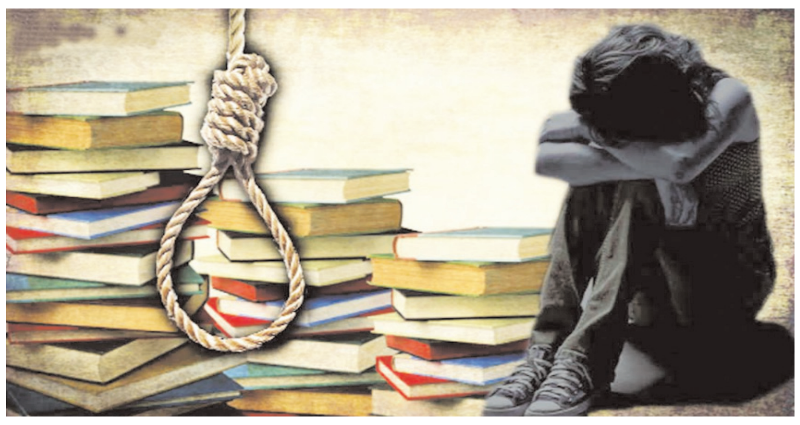

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा गहरा प्रश्नचिह्न हैं। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है। एक बड़ा सवाल है कि इस तरह छात्रों का आत्मघात करना क्या सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी? आज भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा जिस मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दबे हैं, वह अभूतपूर्व चिन्ताजनक है। कोटा जैसे शिक्षा नगरों में हर वर्ष दर्जनों छात्र आत्महत्या करते हैं। इन घटनाओं को हम आंकड़ों में बदल देते हैं, लेकिन हर आंकड़े के पीछे एक जीवित सपना, एक संघर्षरत परिवार और टूटती उम्मीदों की कहानी होती है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य शिक्षा केंद्रों में बढ़ती आत्महत्याएं इस बात का संकेत हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में कुछ मूलभूत त्रुटियां हैं। यह केवल पढ़ाई का दबाव नहीं है, यह उस मानसिक संरचना का संकट है, जिसमें सफलता को जीवन का पर्याय बना दिया गया है और असफलता को जीवन का अंत।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 2018 से 2023 के बीच उच्च शिक्षण संस्थानों में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें सबसे अधिक घटनाएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुईं, इसके बाद एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का स्थान है। यह तथ्य इस धारणा को तोड़ता है कि केवल कमजोर छात्र ही मानसिक तनाव का शिकार होते हैं। सच्चाई यह है कि सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील छात्र ही अक्सर सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि वे स्वयं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखते हैं और असफलता को स्वीकार नहीं कर पाते। यहां प्रश्न केवल संस्थानों का नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भी है जिसने सफलता को एक संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया है। परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है। अभिभावक अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर कोचिंग संस्थानों में बच्चों को भेजते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं और अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के मन पर इतना भारी पड़ता है कि वे स्वयं को एक प्रोजेक्ट की तरह देखने लगते हैं, एक इंसान की तरह नहीं। जब यह प्रोजेक्ट असफल होता है, तो उन्हें लगता है कि उनका अस्तित्व ही निरर्थक हो गया है।

> **अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि वे उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, न कि उनकी सफलता। उन्हें बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ नहीं डालना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। तीसरे, शिक्षण संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझना होगा। उन्हें केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा।**

शिक्षा व्यवस्था का ढांचा भी इस संकट के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को ज्ञान तो देती है, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखाती। उन्हें बताया जाता है कि गणित कैसे हल करना है, लेकिन यह नहीं सिखाया जाता कि जीवन की समस्याओं का समाधान कैसे करना है। उन्हें भौतिकी के नियम याद कराए जाते हैं, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखना है। परिणामस्वरूप, जब वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों से सामना करते हैं तो वे टूट जाते हैं। आज के शिक्षण संस्थानों में शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध भी बदल गया है। पहले शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और संरक्षक होते थे। आज यह संबंध औपचारिक हो गया है। कई शिक्षक अपनी भूमिका को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखते हैं। वे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके भावनात्मक संघर्षों और उनके आंतरिक द्वंद्व को समझने का प्रयास नहीं करते। यह दूरी छात्रों को और अधिक अकेला बना देती है।

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निर्माताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि उच्च शिक्षण संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिर्वतन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास द्वारा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन केवल जांच समितियां बनाना समस्या का समाधान नहीं है। समितियां रिपोर्ट दे सकती हैं, लेकिन वे खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकतीं। आवश्यकता इस बात की है कि हम समस्या की जड़ तक पहुंचें और उसे दूर करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक उपाय करें। छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को केवल मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह एक व्यापक सामाजिक संकट है, जिसमें शिक्षा प्रणाली, पारिवारिक संरचना, सामाजिक अपेक्षाएं और व्यक्तिगत मनोविज्ञान सभी शामिल हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहां सफलता की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को पीछे छोड़ दिया है। यहां हर कोई आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन यह भूल जाता है कि इस दौड़ में पीछे छूटने वाले भी इंसान हैं। इस समस्या का समाधान केवल नीतिगत बदलावों से नहीं होगा, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें शिक्षा की परिभाषा को बदलना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संतुलित और सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। छात्रों को यह सिखाया जाना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है।

दूसरे, अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि वे उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, न कि उनकी सफलता। उन्हें बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ नहीं डालना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। तीसरे, शिक्षण संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझना होगा। उन्हें केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। हर संस्थान में प्रभावी काउंसलिंग सिस्टम होना चाहिए, जहां छात्र बिना किसी डर या संकोच के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे छात्रों के व्यवहार में होने वाले बदलावों को पहचान सकें और समय रहते उनकी सहायता कर सकें। निश्चिततौर पर समाज को भी अपनी संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करना होगा। हमें यह समझना होगा कि हर जीवन अमूल्य है और किसी भी सफलता से अधिक महत्वपूर्ण है। हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां बच्चे बिना किसी भय के अपने सपनों का पीछा कर सकें और असफल होने पर भी सम्मान के साथ जी सकें। यदि हम इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाते, तो यह संकट और गहराता जाएगा। हर आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि हमारे समाज की विफलता का प्रमाण होती है। अब समय आ गया है कि हम इस विफलता को स्वीकार करें और इसे सुधारने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। तभी हम अपने युवाओं को इस आत्मघाती मार्ग से बचा सकेंगे और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकेंगे।

## नजरिया

# धधकती धरती : विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

**योगेश कुमार गोयल**

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

> **धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।**

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

## महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# जन्म के सौ वर्ष बाद भी ब्रिटिश राजशाही पर छाया महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का प्रभाव

**लंदन/एपी**

ब्रिटेन की दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की विरासत उनके जन्म के 100 वर्ष बाद भी राजशाही पर साफ नजर आती है। बकिंघम पैलेस के सामने स्थित 'कूल ब्रिटानिया' नामक उपहार की दुकान में उनकी तस्वीर वाले मग, तौलिये और की-रिंग की बिक्री अब भी खूब होती है जबकि महाराजा चार्ल्स तृतीय से जुड़े उत्पादों की मांग अपेक्षाकृत कम है। दुकान के प्रबंधक इस्माइल इब्राहिम ने बताया कि महारानी से जुड़े उत्पाद आज भी अधिक बिकते हैं। सितंबर 2022 में निधन से पहले, 70 वर्षों तक शासन करने वाली एलिजाबेथ द्वितीय ने युद्ध के बाद कठिन दौर से लेकर कोविड-19 महामारी तक ब्रिटेन को एकजुट रखने में अहम भूमिका निभाई थी। अब भी वही महारानी एलिजाबेथ के निधन के समय ज्यादातर ब्रिटिश नागरिकों ने अपने जीवन में केवल उन्हें ही साम्राज्ञी के रूप में देखा था। आज भी क्वीन शब्द सुनते ही लोगों के मन में एलिजाबेथ की छवि उभरती है, न कि चार्ल्स की पत्नी क्वीन कैमिला की। हालांकि समय के साथ उनकी विरासत पर कुछ सवाल भी उठे हैं। उनके पुत्र प्रिंस एंड्रयू के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से संबंधों को लेकर विवाद ने सवाल उठाया कि इस मुद्दे को लंबे समय तक क्यों नहीं सुलझाया गया। ''आफ्टर एलिजाबेथ : कैन द मोनार्की सेव इटसेल्फ ?'' पुस्तक के लेखक एड ओवेन्स ने कहा कि एलिजाबेथ द्वितीय पिछले 100 वर्षों में राजशाही की सबसे महत्वपूर्ण शख्सियत रही हैं और उनकी 100वीं जयंती पर स्वाभाविक रूप से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

इस अवसर पर बकिंघम पैलेस में समारोह, रीजेंट्स पार्क में स्मारक उद्यान का उद्घाटन और उनकी वेशभूषा पर प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 21 अप्रैल 1926 को जन्मी एलिजाबेथ को प्रारंभ में सिंहासन का उत्तराधिकारी नहीं माना गया था। लेकिन 1936 में उनके चाचा किंग एडवर्ड अष्टम के त्यागपत्र के बाद उनके पिता जॉर्ज षष्ठम राजा बने और एलिजाबेथ उत्तराधिकारी बन गईं। छह फरवरी 1952 को पिता के निधन के बाद 25 वर्ष की आयु में उन्होंने गद्दी संभाली। महारानी ने दशकों तक संसद के उद्घाटन, विदेशी नेताओं के स्वागत और देशभर में हजारों सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने 200 से अधिक विदेशी यात्राएं कर भारत, तंजानिया, जर्मनी, जापान और अमेरिका सहित कई देशों के साथ संबंध मजबूत किए। जीवन के अंतिम वर्षों में वह इंटरनेट पर भी लोकप्रिय रहीं, जब उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में अभिनेता डेनियल क्रेग के साथ विशेष प्रस्तुति दी और अपने शासन के 70 वर्ष पूरे होने पर 'पैडिंगटन बेयर' के साथ दिखाई दीं। उनकी उपलब्धियों के बावजूद प्रिंस एंड्रयू से जुड़े विवाद को समय रहते नियंत्रित न कर पाना उनकी एक प्रमुख विफलता माना जाता है।

**उद्घाटन**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को ओडिशा के राउरकेला में प्लेनेटेरियम और साइंस सेंटर और निर्मल मुंडा परिवेश पथ के उद्घाटन के दौरान।

# मृणाल ठाकुर ने शेयर किया 'व्याह करवा दो जी' का बीटीएस वीडियो

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह मजेदार कॉमेडी ड्रामा फिल्म एक रोचक लव ट्राएंगल पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का नया गाना 'व्याह करवा दो जी' रिलीज हुआ था। सोमवार को अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर गाने का बीटीएस वीडियो पोस्ट किया। वीडियो की शुरुआत में मृणाल वरुण को डांस सिखाती नजर आती हैं, लेकिन जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, तो इसमें पूरी टीम नजर आने लगती है। दिलचस्प बात ये है कि वीडियो में सलमान खान, डेविड धवन और मनीष पॉल भी नजर आ रहे हैं। मृणाल ने वीडियो को पोस्ट कर लिखा, व्याह करवा दो जी। है जवानी तो इश्क होना है।

अभिनेत्री की पोस्ट फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि सलमान खान कैमियो रोल निभाते नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

गौरतलब है कि सलमान खान और डेविड धवन काफी अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। वहीं, सलमान खान ने डेविड धवन की कई फिल्मों में काम भी किया है। यही कारण है कि सलमान खान और वरुण धवन के बीच भी अच्छी बॉन्डिंग देखी जाती है। इससे पहले भी सलमान खान ने डेविड धवन की फिल्मों में स्पेशल अपीयरेंस दे चुके हैं। वरुण धवन की यह आने वाली फिल्म 22 मई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की स्टोरी, गाने और कलाकारों के केमिस्ट्री को देखते हुए दर्शक काफी उत्साहित हैं। कॉमेडी और रोमांस का यह अनोखा मिश्रण पर्दे पर धमाल मचाने वाला है। गाना 'व्याह करवा दो जी' एक जोरदार पार्टी सॉन्ग है, जिसे मीका सिंह और असीस कौर ने गाया है। इसके बोल वायु ने लिखे हैं, जबकि संगीत व्हाइट नॉइज कलेक्टिव्स ने दिया है।

# एक जैसे किरदार निभाने में कोई मजा नहीं: जयदीप अहलावत

मुंबई/भाषा। अभिनेता जयदीप अहलावत का कहना है कि वह अपने अभिनय में हमेशा नायक और खलनायक की पारंपरिक छवियों से परे जाने और साधारण चरित्रों को भी परत दर परत खोलने की कोशिश करते हैं।

गैंग्स ऑफ वासेपुर, रईस, पाताल लोक, ब्रोकन न्यूज, थ्री ऑफ अस, जाने जां और द फैमिली मैन 3 जैसी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अलग पहचान बनाने वाले अहलावत ने कहा कि उनकी एक जैसी भूमिकाएं निभाने में बहुत कम रुचि है।

पत्रकार से लेखक बने हुसैन जैदी की नवीनतम पुस्तक माफिया क्वींस ऑफ इंडिया के विमोचन के अवसर पर 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में अहलावत ने कहा, मुझे अभी तक कोई साधारण या सपाट किरदार निभाने को नहीं मिला है। मेरा मानना है कि जब किसी चरित्र में कई परतें होती हैं, तो उसे निभाना एक सतही या एक-आयामी किरदार की तुलना में कहीं अधिक दिलचस्प हो जाता है। इसलिए, यदि किसी किरदार में परतें नहीं होती हैं, तो एक अभिनेता के रूप में मैं उसे विश्वसनीय बनाने के लिए उसमें कुछ तत्व या परतें जोड़ने की कोशिश करता हूं।

पाताल लोक के अभिनेता ने कहा कि उनका दूसरा लक्ष्य अपने किरदारों को विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने कहा, जिस भावना के साथ किरदार लिखा गया है, उसे दर्शकों तक पहुंचाना जरूरी है ताकि कहानी समझ में आए; अन्यथा वह नीरस हो जाती है। एक अभिनेता के रूप में मुझे लगता है कि चरित्र में जितनी अधिक परतें होंगी, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक, उसे निभाने में उतना ही मजा आएगा। अहलावत हाल ही में निर्देशक सुदीप शर्मा की सीरीज कोहरा 2 में एक संक्षिप्त भूमिका में नजर आये थे।

# 'ईरान का कोई प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद नहीं गया'

**दुबई/एपी**

ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने मंगलवार को स्क्रीन पर एक 'अलर्ट' जारी कर कहा कि ''ईरान का कोई प्रतिनिधिमंडल अब तक इस्लामाबाद नहीं गया है।'' यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के साथ संभावित वार्ता को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। स्क्रीन पर जारी यह 'अलर्ट' ईरान की धर्मतांत्रिक व्यवस्था के भीतर संभवतः जारी उस आंतरिक बहस को दर्शाता है जिसमें वह सप्ताहांत में अमेरिकी नौसेना द्वारा एक ईरानी कंटेनर पोत पर कब्जा किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर विचार कर रहा है।

ईरान की धर्म आधारित व्यवस्था में कट्टरपंथी नेता सरकारी टेलीविजन को लंबे समय से नियंत्रित करते रहे हैं। अब तक किसी अधिकारी ने यह स्वीकार नहीं किया है कि कोई प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद जाएगा। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में संभावित वार्ता के लिए अधिकारियों ने पहले से तैयारी कर ली है।

# महाकाल के दरबार पहुंचे अनुपम खेर, बोले- 'यहां आकर मिली अलग शांति और शक्ति'

**मुंबई/एजेन्सी**

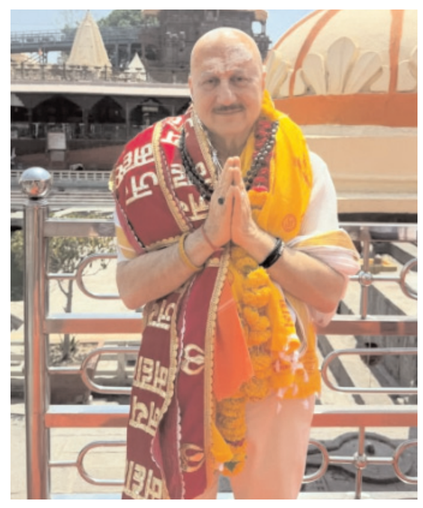

जाने-माने अभिनेता अनुपम खेर अक्सर अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने आध्यात्मिक और धार्मिक यात्राओं को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। वह समय-समय पर देश के अलग-अलग मंदिरों में जाकर भगवान के दर्शन करते हैं और अपने अनुभव फैंस के साथ साझा करते हैं। इस कड़ी में हाल ही में वह मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और आरती में भी हिस्सा लिया। अनुपम खेर ने अपनी इस खास यात्रा की झलक इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें वह महाकालेश्वर मंदिर के परिसर में घूमते नजर आ रहे हैं। इस मंदिर को देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। इस पोस्ट के कैप्शन में अनुपम खेर ने लिखा, ''उज्जैन के महाकाल मंदिर पहुंचा। यहां भगवान के दर्शन किए और आप सबके लिए भी प्रार्थना की। यहां आना अद्भुत और दिव्य अनुभव रहा। भारत सच में ऐसे अद्भुत धार्मिक स्थलों से भरा हुआ है, जिनकी प्राचीनता और इतिहास अविश्वसनीय है। आज आत्मा को एक अलग ही शांति और शक्ति का अनुभव हुआ। हर हर महादेव! हर हर महाकाल।'' पोस्ट में शेयर किए गए वीडियो में अनुपम खेर का उत्साह साफ देखने को मिल रहा है। एक वीडियो में वह कहते सुनाई दे रहे हैं, जय महा काल! मैं यहां उज्जैन में हूं। मैं मंदिर में पूजा करने आया हूं। मैं आरती में मौजूद था, और मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने सबके लिए, आपकी शांति, खुशी और भलाई के लिए प्रार्थना की। मैंने देश के लिए भी प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''यहां सिर्फ वीआईपी के लिए नहीं, बल्कि सभी भक्तों के लिए बहुत अच्छा इंतजाम किया गया है। यहां सब कुछ अच्छे से ऑर्गनाइज्ड है। मेरे मोबाइल में, मेरे पास भगवान शिव की एक सुंदर तस्वीर है। हर हर महादेव! हर हर महादेव!''

भाजपा नेता स्मृति ईरानी पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार करती हुईं।

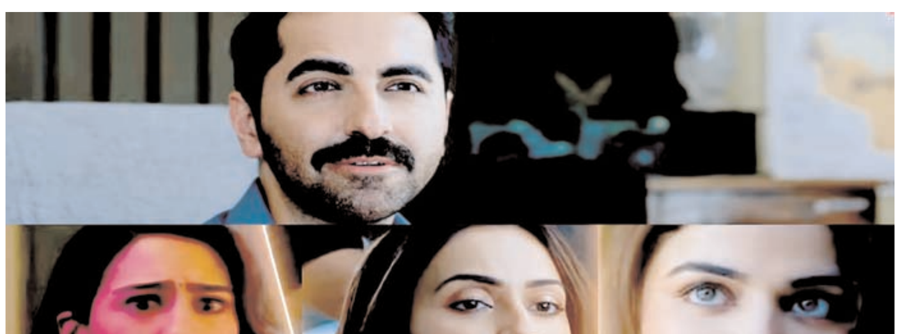

# लॉरेंस ऑफ पंजाब : क्राइम, समाज और सिस्टम के पीछे की कहानी, 27 को होगी रिलीज

**मुंबई/एजेन्सी**

आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज, अपराध और उसके पीछे छिपे कारणों को समझाने वाली कहानियां भी तेजी से सामने आ रही हैं। इस कड़ी में एक नई डॉक्यू-सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' चर्चा में है, जो अपराध से जुड़े जीवन और उसके बनने की पूरी प्रक्रिया को समझाने की कोशिश करती है। यह सीरीज दिखाती है कि कैसे समाज, माहौल और सिस्टम मिलकर किसी व्यक्ति की पहचान को आकार देते हैं। इस सीरीज में लॉरेंस बिश्नोई को एक उदाहरण के रूप में लिया गया है, ताकि यह समझाया जा सके कि कोई व्यक्ति किन परिस्थितियों में अपराध की दुनिया तक पहुंचता है।कहानी का फोकस सिर्फ उसके जीवन पर नहीं, बल्कि इस बात पर भी है कि छात्र राजनीति, युवावस्था की सोच, संगीत और विचारधारा कैसे धीरे-धीरे एक इंसान की दिशा बदल सकते हैं। इसके साथ ही यह भी दिखाया गया है कि मीडिया और समाज किसी व्यक्ति की छवि को कैसे बड़ा बनाते हैं।

सीरीज के निर्देशक राघव डार्र ने इस प्रोजेक्ट को लेकर कहा, ''मेरा मकसद सिर्फ एक क्राइम स्टोरी बनाना नहीं था। दरअसल, मैं यह समझना चाहता था कि ऐसे व्यक्तित्व आखिर बनते कैसे हैं। किसी भी व्यक्ति के पीछे उसका माहौल, उसके आसपास के लोग और सामाजिक सिस्टम बहुत बड़ा रोल निभाते हैं। इस कहानी में सिर्फ घटनाएं नहीं हैं, बल्कि उन घटनाओं के पीछे की सोच और असर को भी दिखाने की कोशिश की गई है।''निर्माता राघव खन्ना ने कहा, ''पंजाब एक मजबूत और मेहनती लोगों की भूमि है। 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' हाल के समय में हुई कुछ वास्तविक घटनाओं और अलग-अलग नजरियों को सामने रखती है। इसमें यह दिखाने की कोशिश की गई है कि कैसे शक्ति, प्रभाव और सामाजिक हालात मिलकर किसी कहानी को आकार देते हैं। इस सीरीज को संवेदनशीलता के साथ बनाया गया है, ताकि यह किसी एक पक्ष की कहानी न लगे।'' जी5 के हिंदी कंटेंट हेड और चैनल अधिकारी कावेरी दास ने कहा, ''आज के दर्शक बदलते समय के साथ ज्यादा गहराई वाली कहानियां देखना चाहते हैं।

इसलिए प्लेटफॉर्म अब सिर्फ सतही मनोरंजन नहीं, बल्कि सोचने पर मजबूर करने वाली कहानियां लेकर आ रहा है। इस सीरीज का उद्देश्य किसी अपराधी को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि यह समझना है कि ऐसे लोग किस तरह के माहौल में बनते हैं और उनका समाज पर क्या असर पड़ता है।'' कावेरी दास ने कहा, ''यह कंटेंट दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगा और समाज को समझने का एक नया नजरिया देगा। आज की कहानी सिर्फ घटनाओं की नहीं होती, बल्कि उनके पीछे छिपे कारणों की भी होती है, और यही इस सीरीज की असली ताकत है।'' 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' 27 अप्रैल को हिंदी जी5 पर स्ट्रीम होगी।

# अभिनेता आदर्श गौरव रिडले स्कॉट की फिल्म 'एलियनः अर्थ' की दूसरी कड़ी में नजर आएंगे

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म 'द व्हाइट टाइगर', 'खो गए हम कहां' और 'तू या मैं' में अपने प्रभावशाली अभिनय से पहचान बना चुके अभिनेता आदर्श गौरव अब एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर नजर आएंगे। वह रिडले स्कॉट की चर्चित सीरीज 'एलियन: अर्थ' की दूसरी कड़ी में अपनी भूमिका दोहराने के लिए तैयार हैं। 'गेम्स ऑफ थ्रोन्स' के अभिनेता पीटर डिंकलेज भी इस कड़ी से जुड़ गए हैं, जिसकी शूटिंग अगले महीने शुरू होने वाली है। पहले सीजन में बेहद सराहे गए अपने प्रदर्शन के बाद आदर्श गौरव एक बार फिर 'स्लाइटली' के किरदार में नजर आएंगे, जो अपनी भावनात्मक गहराई और जटिलता के लिए खास तौर पर जाना जाता है।

'एलियन: अर्थ' ने बेहद कम समय में खुद को वैश्विक स्तर पर एक बड़ी साइंस-फिक्शन सीरीज के रूप में स्थापित कर लिया है और यह 2025 के शीर्ष सीरीज में शुमार हो चुकी है। नोआ हौली द्वारा निर्मित इस सीरीज में रिडले स्कॉट कार्यकारी निर्माता के रूप में जुड़े हैं।दूसरी कड़ी में आदर्श गौरव एक दमदार कलाकारों की टोली के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे, जिसमें सिडनी चैंडलर, एलेक्स लॉदर, एसी डेविस, सैमुअल ब्लेनकिन, बाबू सीसे, टिमोथी ओलिफेंट और पीटर डिंकलेज जैसे नाम शामिल हैं।

आदर्श गौरव ने एक बयान में कहा, इस फिल्म 'एलियन: अर्थ' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। पहले कड़ी को, खासकर मेरे किरदार को जिस तरह का जबरदस्त प्रतिसाद मिला, वह सचमुच उत्साह बढ़ाने वाला और प्रेरणादायक है। 'स्लाइटली' एक बेहद अनोखा और भावनात्मक रूप से जटिल किरदार है, और दूसरी कड़ी में उसकी यात्रा को आगे बढ़ाने का मौका मिलना मेरे लिए बेहद रोमांचक है। उन्होंने कहा, नोआ हौली और रिडले स्कॉट जैसे दूरदर्शी लोगों के नेतृत्व में काम करना हर मायने में प्रेरणादायक है, और इतने प्रतिभाशाली सह-कलाकारों के बीच रहकर लगातार बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। मैं एक बार फिर सेट पर लौटने और इस दुनिया में दोबारा खोने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

# 'राजा शिवाजी' के ट्रेलर लॉन्च पर छलके रितेश के आंसू, भावुक होकर बोले-मुझ पर महाराज का हाथ है

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेता रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर सोमवार को जारी कर दिया गया। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा है, जो मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर लॉन्च के लिए मुंबई में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम मौजूद नजर आई। इस दौरान रितेश और जेनेलिया काफी भावुक नजर आए। दोनों की आंखों में आंसू साफ नजर आ रहे थे। भावुक रितेश ने कहा, मैंने पहले सभी से कहा था कि अपने रुपए संभालकर रखिए। हमारे सिर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का हाथ है। मुझे अच्छे से याद है कि स्कूल के समय एनुअल डे के दौरान बांसुरी बजाई थी और एक राजा का रोल भी किया था। वही मेरा घर था। आज वही शिवाजी महाराज का सैनिक इस मंच पर खड़ा है। महाराज की कृपा से मुझे आप सभी की तरफ से जोरदार तालियां मिल रही हैं। चाहे मंच हो, दिवाली हो, शिव जयंती हो या कोई भी नाटक-कला का रूप हो, वह इंसान बहुत भाग्यशाली होता है जिसे कोई किरदार निभाने का मौका मिलता है। मुझे यह मौका बचपन में ही मिल गया था।

उन्होंने आगे कहा, जियो स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे ने इस प्रोजेक्ट में पूरा जोर लगाया है। मैं उनका बहुत आभारी हूं। संजू सर का भी मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।अभिनेता संजय दत्त ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यह फिल्म बहुत खास है। रितेश मेरा छोटा भाई जैसा है। मैं खुश हूं कि हमारे पिता के समय से ही हमारा परिवार एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। ज्योति और पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद। अभिनेता अभिषेक बच्चन ने ट्रेलर की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, ट्रेलर देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ज्योति, रितेश और पूरी टीम को शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि, एक भावना है। रीतेश, जेनेलिया और ज्योति ने जो काम किया है, वह फिल्म से कहीं बड़ा है। मैं पहले कभी मराठी सिनेमा में इतने बड़े स्तर की फिल्म नहीं देखी। पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं।

भाग्यश्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज को देश का 'सोना' बताया। उन्होंने कहा, ट्रेलर देखने के बाद लग रहा है कि हम सचमुच सोना लेकर आए हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे देश का सोना है। आज हम उन्हें अपने घर लेकर आए हैं। जेनेलिया और रितेश का शुक्रिया। पति-पत्नी होने के साथ-साथ निर्देशक और प्रोड्यूसर की भूमिका निभाना कोई आसान बात नहीं है। वे अक्सर बहस करते थे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। मुझे याद है, जब मैं राजमाता जिजाऊ का रोल कर रही थी, तो जेनेलिया खुद मेरे लिए रोटी-सब्जी लेकर आती थीं और कहती थीं एक कौर खा लो। यही सच्चा प्यार है।

अभिनेत्री विद्या बालन ने फिल्म पर गर्व जताते हुए कहा, जब मुझे पता चला कि रितेश छत्रपति शिवाजी महाराज पर मराठी फिल्म बना रहे हैं और उसमें संजय दत्त और रितेश जैसे कलाकार भी हैं, तो मैंने सोचा कि मेरा कोई रोल नहीं हो सकता है, लेकिन रितेश मुझे एक्टर के तौर पर पसंद आए। उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और मैं फिल्म करने के लिए तुरंत तैयार हो गई। मैंने उन्हें फोन करके कहा कि मैं यह फिल्म जरूर करूंगी।

# अक्षय तृतीया पर माहेश्वरी महिलाओं ने बांटा नींबू शरबत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर सोमवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर नींबू शरबत का वितरण किया। संगठन की अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा की देखरेख में यशवंतपुर, शांतिनगर, माहेश्वरी भवन ओकलीपुरम एवं बन्नरघट्टा रोड पर तपती धूप से राहत पाने के लिए लगभग ढाई हजार राहगीरों को नींबू शरबत का वितरण किया गया।

सचिव शोभा भूतड़ा ने इस सेवा कार्य में सहयोग करने वाली विभिन्न सदस्याओं व सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

# साध्वीश्री संयमलता ने तमिलनाडु सीमा में किया प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ साध्वीश्री संयमलताजी ने बेंगलूरु से चातुर्मास संपन्न कर अनेक उपनगरों से होते हुए अक्षय तृतीया दिन सोमवार को तमिलनाडु की सीमा में प्रवेश किया। अपने प्रवेश के मौके पर आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी संयमलताजी ने कहा कि भारत ऋषि,मुनियों की धरती है, हर कोना संस्कार,संस्कृति समर्पण से सुवासित है। आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का समन्वित रस है। संतों के आगमन से श्रावक समाज में उत्साह की लहर जग जाती है। सीमा पर सभी साध्वी साथियों ने मंत्रोच्चार एवं मंगल पाठ का वाचन किया। होसूर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष मंगलचंद बाफना ने तमिलनाडु सीमा में साध्वीश्री का स्वागत किया। इस मौके पर बेंगलूरु के पारसमल पटवारी व उनके परिवार ने विहार सेवा का लाभ लिया।

# तपस्या दिखाने के लिए नहीं, स्वयं को देखने के लिए की जानी चाहिए: आचार्यश्री विमलसागरसूरी

## गदग में आयोजित हुआ वर्षीतप का पूर्णाहुति महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय शांतिनाथ वर्षीतप आयोजन समिति, हिरियूर द्वारा गदग में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी एवं गणि पद्मविमलसागरजी आदि श्रमणगण के सान्निध्य में वर्षीतप की पूर्णाहुति का दो दिवसीय पारणा महोत्सव सोमवार को संपन्न हुआ। वर्षीतप के सभी तपस्वियों ने 405 दिन में कुल 225 निराहार उपवास कर इस सुदीर्घ साधना को परिपूर्ण किया। साधकों में अनेक युवा दंपति और किशोर भी थे। सोमवार को प्रातः भोर वेला में विविध मंत्रोच्चारपूर्वक पीठिका पर प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ प्रभु की प्रतिमा स्थापित की गई। प्राचीन स्तोत्रपाठ और भक्तिगीतों के साथ महाभिषेक विधान हुआ। इसके लिए विविध नदियों के नीर, अनेक जड़ीबूटियां, औषधियां तथा केसर, चंदन, इक्षुरस आदि सामग्री जुटाई गई। अभिषेक के बाद अष्टप्रकारी पूजन हुआ। पारणे से पूर्व सभी साधकों ने अंबिका, चक्रेश्वरी, पद्मावती एवं कुलदेवी की प्रार्थना व पूजा कर सर्वमंगल की कामना की। फिर गुरुपूजन के बाद गणि पद्मविमलसागरजी ने सभी को तपस्या की पूर्णाहुति का संकल्प दिया। प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ ने अपने 400 उपवास की पूर्णाहुति हस्तिनापुर में राजा श्रेयांश के हाथों इक्षुरस ग्रहण कर की थी। यहां गदग में पुखराज फोफलिया परिवार ने लाभार्थी बनकर श्रेयांश राजा के रूप में सभी साधकों को इक्षुरस से पारणा करवाया।

इस अवसर पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि जैन परंपरा की तप साधना बहुत कठिन है। जो निष्काम भावना से तपस्या करते हैं, वे साधक सचमुच पूजनीय हैं। तपस्या में आहार का परित्याग करना भी सरल नहीं होता, जबकि उससे आगे बढ़कर जो आहार के साथ-साथ अपने विषय-काषयों को दूर करने का प्रयास करते हैं, वे तो खरे अर्थ में महान साधक हैं। ऐसी साधना सहज ही अनेक चमत्कारों का सृजन कर देती है। तपस्या से जितने पापकर्मों का क्षय होता है, उतना किसी दूसरी साधना-आराधना से नहीं होता। इन अर्थों में तप सरल नहीं है।

जैनाचार्य ने कहा कि तपस्या के उत्सवों को अत्याधिक खर्चीला नहीं बनाना चाहिए, ऐसा करने से तपसाधना की मूल भावना ही नष्ट हो जाएगी। तपस्या दिखाने के लिए नहीं, स्वयं को देखने के लिए की जानी चाहिए। तप के निमित्त भेंट-सौगातों की लेनदेन भी बेहूदी और अनुचित लगती है। होना तो यह चाहिए कि तपस्या के उत्सव में सम्मिलित होने वाले लोग अपने जीवन की किसी न किसी बुराई को छोड़ने का संकल्प लें

# समय रहते चेत जाओ, समय बड़ा भयंकर है : डॉ. समकितमुनि

## उपाध्यायश्री केवलमुनिजी का 32वां पुण्यतिथि कार्यक्रम 26 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघीय गुरुदेव डॉ. समकितमुनिजी आदि संत का मंगलवार प्रातः गणेशबाग से मंगल विहार हुआ। संतश्री अपनी धवल धर्मसेना के साथ विहार करते हुए कॉक्स टाउन स्थित सरदारमल सुराणा के निवास स्थान पर पहुंचे। संतश्री के स्वागत और दर्शन-वंदन के लिए मार्ग में और गंतव्य स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। कॉक्स टाउन पहुंचने पर एक प्रवचन सभा का आयोजन किया गया।ङ्कङ्कप्रवचन सभा को संबोधित करते हुए समकितमुनिजी ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को मोह-निद्रा से जगाते हुए कहा कि समय रहते चेत जाओ। समय बड़ा भयंकर और बलवान है, यह किसी के साथ रियायत नहीं करता और किसी को भी माफ़ नहीं करता। संतश्री ने स्पष्ट किया कि धन-संपत्ति जाने पर वापस मिल सकती है, लेकिन जो समय एक बार मुट्ठी से फिसल गया, वह किसी भी कीमत पर लौटकर नहीं आता, इसलिए अज्ञानता और प्रमाद को छोड़कर वर्तमान के हर पल का सदुपयोग आत्मकल्याण के लिए करना चाहिए। आगमों का हवाला देते हुए गुरुदेव ने 'उत्तराध्ययन सूत्र' की महत्वपूर्ण गाथा 'घोरा मुहुत्ता अबलं सरीरं' पर विस्तृत विवेचन व गाथा का गूढ़ रहस्य समझाते हुए कहा कि समय के ये क्षण बहुत भयंकर हैं, जो बिना

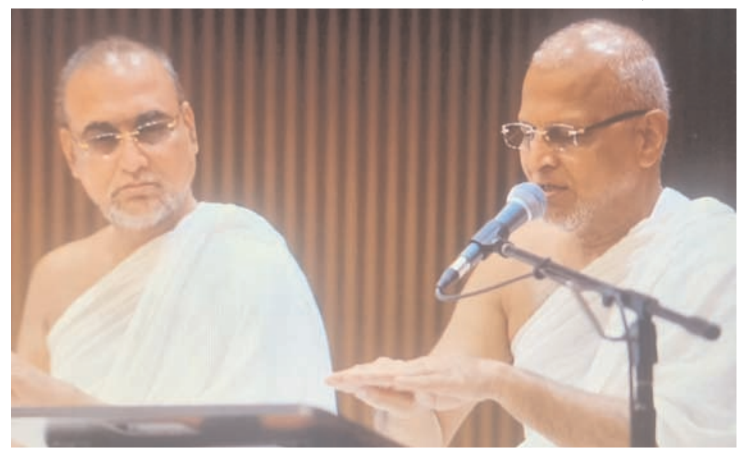

रुके निरंतर बीत रहे हैं और दूसरी तरफ हमारा यह शरीर अत्यंत दुर्बल है। बीमारियां, बुढ़ापा और मृत्यु कभी भी इस अस्थिर शरीर को अपना ग्रास बना सकते हैं। मृत्यु कभी बताकर नहीं आती, इसलिए जब तक शरीर में ऊर्जा है, इंद्रियां काम कर रही हैं और सांसें चल रही हैं, धर्म-ध्यान और सुकृत कर लेना चाहिए। ङ्कङ्कसंतश्री ने मानव जीवन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मनुष्य भव अनंत पुण्यों के उदय से और अत्यंत दुर्लभता से प्राप्त हुआ है। इसे केवल खाने-पीने, सांसारिक मोह-माया और व्यर्थ के वाद-विवाद में जाया मत करो। उन्होंने अत्यंत मार्मिक शब्दों में कहा कि अपना जीवन ऐसा जियो और ऐसे श्रेष्ठ कर्म करो कि जब जीवन की शाम ढले और अंतिम समय आए, तो तुम्हें पश्चाताप के आंसू न बहाने पड़ें। मृत्यु शय्या पर मन में यह अफ़सोस न रहे कि हीरा सरीखा मनुष्य जन्म मिला था, लेकिन हमने उसे कौड़ियों के भाव व्यर्थ ही गंवा दिया। इससे पहले कॉक्स टाउन पधारने पर सुराणा परिवार और स्थानीय जैन समाज द्वारा गुरुदेवश्री की भावभीनी अगवानी की गई।

बुधवार की प्रातःकालीन प्रवचन सभा भी कॉक्स टाउन स्थित सुराणा निवास पर होगी। गुरु केवल भक्त परिवार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दोड्डनिकुन्दी गौशाला स्थित केवल आराधना स्थल पर उपाध्यायश्री केवलमुनिजी की 32वीं पुण्यतिथि समकितमुनिजी व अन्य साधु साध्वियों की निश्रा में 26 अप्रैल को गुणानुवाद के रूप में मनाई जाएगी।

# डिजिटल प्रगति के साथ नैतिक मूल्यों का मेल आवश्यक : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को स्पष्ट किया कि वर्तमान तकनीक-संचालित युग में ज्ञान का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि समाज का कल्याण होना चाहिए। वे विजयपुरा स्थित कर्नाटक राज्य अक्का महादेवी महिला विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल ने कहा कि अक्का महादेवी के नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय महिलाओं के सशक्तिकरण और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। उन्होंने जोर देकर कहा शिक्षा केवल डिग्रियां हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को स्वतंत्र, निडर और आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग है। उन्होंने डिग्री को केवल किताबी ज्ञान का प्रमाण न मानकर उसे अनुशासन और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत 'डिजिटल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैश्विक पटल पर मजबूती से उभर रहा है।

उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे विज्ञान और नवाचार का लाभ उठाएं, लेकिन अपनी जड़ों और नैतिक मूल्यों को न भूलें। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रगति तभी सार्थक है जब वह नैतिकता और संवेदनशीलता द्वारा निर्देशित हो। भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र यत्र नर्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: का उल्लेख करते हुए श्री गहलोत ने कहा कि महिलाओं की शिक्षा ही राष्ट्रीय विकास की असली नींव है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए श्रीमती संगीता, श्रीमती पार्वती सिद्धप्पा होंगल और श्रीमती आशादेवी को मानद उपाधियाँ प्रदान कीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर उज्वला चक्रदेव और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विजय बी. कोरिशेट्टी सहित कई विशिष्ट शिक्षाविद उपस्थित रहे। अंत में, राज्यपाल ने छात्राओं को 'महत्वाकांक्षी सपने' देखने और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

# हिंदू महिलाओं से संबंधित कार्यस्थल के मुद्दों को लेकर कंपनियों से संपर्क करेगा विहिप : संगठन के नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन।विश्व हिंदू परिषद (विहिप) देश भर के कॉरपोरेट और औद्योगिक निकायों से संपर्क करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यस्थलों पर हिंदू महिलाओं को निशाना न बनाया जाए या उनका उत्पीड़न न किया जाए। संगठन के एक वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विहिप के संगठन महासचिव मिलिंद परांडे ने यहां एक प्रेसवार्ता में कहा कि हिंदू संगठन विभिन्न उद्योगों के राष्ट्रीय संगठनों से मुलाकात करेगा और कार्यस्थलों पर ''लव जिहाद'' और जबरन धर्मांतरण की कथित घटनाओं पर चिंता व्यक्त करेगा।

दक्षिणपंथी समूहों द्वारा ''लव जिहाद'' शब्द का उपयोग मुस्लिम पुरुषों के हिंदू महिलाओं को रिश्तों और शादी के जाल में फंसाकर उन्हें इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर करने की साजिश रचने के आरोप के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा, ''विहिप देशभर में विभिन्न उद्योगों के राष्ट्रीय संगठनों से क्रमबद्ध तरीके से मुलाकात करेगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी कार्यस्थल पर-न केवल आईटी उद्योग में बल्कि सभी उद्योगों में हिंदू महिलाओं को निशाना न बनाया जाए या उनका उत्पीड़न न किया जाए।''

परांडे ने कार्यस्थलों पर हिंदू महिलाओं को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने पर चिंता जताते हुए कहा, ''हिंदू समाज को निशाना बनाया जा रहा है और वह संकट का सामना कर रहा है। ऐसी प्रवृत्तियां किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं।'' उन्होंने मुस्लिम समुदाय से आत्मचिंतन करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''पूरे समुदाय को इस बात पर विचार करना चाहिए कि युवा पीढ़ी को किस प्रकार के मूल्य सिखाए जा रहे हैं। इस तरह की प्रवृत्तियां किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं।''

परांडे ने कहा कि इस तरह की बढ़ती घटनाओं से पूरा मुस्लिम समुदाय संदेह के घेरे में आ सकता है। विहिप के नेता की यह टिप्पणियां सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की नासिक इकाई में कथित उत्पीड़न और धार्मिक दबाव के मामलों के मद्देनजर आई हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की उनकी मौजूदा यात्रा संगठन के विस्तार के उद्देश्य से किए जा रहे राष्ट्रव्यापी संगठनात्मक दौरे का हिस्सा है।

# सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन की 5वीं वार्षिक बैठक रविवार को आरटी नगर में सम्पन्न हुई। संस्था के पूर्व अध्यक्ष राजमणि कुमार सिन्हा एवं सीईओ राम मोहन पाठक ने पिछले वर्ष किए गए विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी साझा की। पूर्व कोषाध्यक्ष ने वर्षभर प्राप्त दान एवं व्यय का ब्यौरापेश किया। संस्था के संस्थापक प्रवीण कुमार पांडेय ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में फाउंडेशन ने अनेक कार्य किए।

बैठक में वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा करते हुए प्रवीण पांडेय को चेयरमैन, मनोज गुप्ता को निदेशक, नितिन शर्मा को अध्यक्ष, राजमणि कुमार सिन्हा को उपाध्यक्ष, राजीव रंजन को महासचिव, कमलेश यादव को सचिव, धर्मवीर को संयुक्त सचिव, राजेश कुमार को कोषाध्यक्ष, रोशन कुमार को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया। अन्य पदाधिकारियों को भी ज़िम्मेदारी दी गई।

# अदालत ने धन शोधन मामले के खिलाफ शिवकुमार की याचिका में केंद्र को पक्षकार बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार द्वारा धन शोधन रोधी कानून के कुछ प्रावधानों और उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच को चुनौती वाली याचिका पर मंगलवार को केंद्र से जवाब मांगा। इसके साथ ही, अदालत ने यह निर्देश दिया कि उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से प्राप्त अंतरिम राहत जारी रहेगी। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर दुदेजा की पीठ ने कांग्रेस नेता की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिबल के अनुरोध पर 2022 में दायर याचिका में केंद्र सरकार को पक्षकार बनाया, क्योंकि अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ने दलील दी थी कि केंद्र की अनुपस्थिति में केंद्रीय अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

ईडी की ओर से पेश एएसजी एस वी राजू ने कहा कि या तो शिवकुमार को अपनी याचिका वापस लेनी चाहिए या अदालत को इसे सुनवाई योग्य न मानते हुए खारिज कर देना चाहिए। हालांकि, पीठ ने केंद्र सरकार को मामले में पक्षकार बनने की अनुमति दे दी और जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्तों का समय दिया। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि यह याचिका 2022 से लंबित है और इस तरह की आपत्ति पहली बार उठाई जा रही है।

अदालत ने कहा कि मामले में तय किए जाने वाले मुद्दे वर्ष 2022 में ही चिह्नित कर दिए गए थे और लिखित दलीलें दाखिल होने के बाद इस मामले को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था। अदालत ने निर्देश दिया, पक्षकारों की संशोधित सूची दाखिल की जाए। केंद्र को नोटिस जारी किया जाता है। जवाबी हलफनामा नोटिस प्राप्त होने के चार हफ्तों के भीतर दाखिल करना होगा। पीठ ने कहा कि पूर्व के आदेश के अनुसार, ईडी इस मामले में कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगा। अदालत मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को करेगी।

कांग्रेस नेता डी के शिवकुमार ने वर्ष 2022 में दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख करते हुए पूरी जांच को रद्द करने का अनुरोध किया था। इसमें उस समन को भी चुनौती दी गई थी जो उन्हें ईडी द्वारा 2020 में दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिकॉर्ड (ईसीआईआर) के तहत जारी किया गया था। यह मामला कथित आय से अधिक संपत्ति से जुड़ा है। याचिका में शिवकुमार ने अपने खिलाफ धन शोधन जांच को कई आधार पर चुनौती दी है, जिसमें यह भी शामिल है कि ईडी उसी अपराध की दोबारा जांच कर रही है जिसकी जांच वह पहले ही 2018 में दर्ज किए गए एक पिछले मामले में कर चुकी है।

## सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल कर्नाटक विकलांग सेवा ट्रस्ट द्वारा सोमवार को बसवा जयंती के उपलक्ष्य में कला ग्राम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए ट्रस्ट के सदस्य।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**